www.tamsasanket.com
वर्ष: 06 || अंक 86 || लखनऊ
शुक्रवार
26 जून 2026 || पृष्ठ: 04 || मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:14
सूर्यास्त: 07:03
अधिकतम: 41°00
न्यूनतम: 32°00

पेज 07

विशेष समाचार | नशे से बर्बाद होते जीवन को... >>पेज 04 | मेरे पास नहीं चढ़ावा चोरी के... >>पेज 06 | 52 साल की हुई करिश्मा ...

राम मंदिर चढ़ावा चोरी में ट्रस्ट ने कराई एफआईआर

टिन्नू यादव समेत 6 नामजद, सांसद संजय सिंह ने जमीन घोटाले के सबूत एसआईटी को दिए

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने गुरुवार को FIR दर्ज कराई है। 6 आरोपी बनाए गए हैं। ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन ने SIT की शुरुआती रिपोर्ट के आधार पर मुकदमा लिखवाया है। इससे पहले एसआईटी को आप सांसद संजय सिंह ने जमीन घोटाले से जुड़े सबूत दिए। संजय सिंह गुरुवार सुबह 11 बजे लखनऊ में SIT के अध्यक्ष विजय विश्वास पंत के ऑफिस पहुंचे। वे करीब 12 मिनट कमरे में रुके।

>> (शेष पेज 06 पर)

दरअसल, संजय सिंह ने दावा किया था कि उनके पास अयोध्या में जमीन घोटाले से जुड़े सबूत हैं। इसके बाद एसआईटी के प्रमुख कुमार विश्वास पंत ने उन्हें सबूत के साथ बुलाया था। वहीं आप पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने कहा- राममंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना से दुःखी हूं।

संजय सिंह ने बाहर आकर कहा- राम मंदिर में जमीन घोटाले के 11 कागजात मैंने एसआईटी को सौंपे हैं। उन्होंने कहा- एक-एक कर सब सामने आ रहा है। पैसे की बरामदगी हो चुकी है, चढ़ावे में चोरी के तमाम साक्ष्य मिल चुके हैं। फिर भी अब तक कोई जेल क्यों नहीं गया? किसी की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई? कोई एफआ-ईआर अब तक क्यों दर्ज नहीं हुई? यह बेहद हैरान करने वाली बात है।"

संजय सिंह बोले- मैंने 11 सबूत एसआईटी अध्यक्ष को सौंपे, बचने का कोई रास्ता नहीं

- हरीश-कुसुम पाठक से ट्रस्ट ने 4.97 करोड़ की जमीन 8 करोड़ में खरीदी। इसमें जो गवाह हैं, उनमें ऋषि कुमार उपाध्याय और अनिल मिश्रा हैं। अनिल मिश्रा ट्रस्ट के सदस्य हैं और ऋषि कुमार उस समय भाजपा के मेयर थे।
- 2021 में सुल्तान अंसारी और रवि मोहन तिवारी ने जो जमीन हरीश-कुसुम पाठक से खरीदी, उसे 5 मिनट बाद ही साढ़े 18 करोड़ में ट्रस्ट को बेच दिया गया। मजेदार बात यह है कि दोनों खरीद में अनिल मिश्रा और ऋषि कुमार उपाध्याय गवाह हैं।
- 41.60 लाख की जमीन 2 करोड़ में बेची गई।
- ऋषि उपाध्याय के भतीजे ने 20 लाख में जमीन खरीदी, जिसे 7 महीने बाद ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को बेचा गया।
- 14 मई 2020 को ऋषि उपाध्याय के भतीजे दीपनारायण को दान में जमीन मिली। वह जमीन चंपत राय को 1 करोड़ में बेची गई।
- 20 मई 2021 को ब्रज मोहन दास से 92.50 लाख की जमीन 5.60 करोड़ रुपये में चंपत राय ने खरीदी।
- 51.80 लाख की जमीन कितने में बेची गई, यह पता नहीं है, लेकिन इसे भी चंपत राय ने खरीदा था।
- 45 लाख की जमीन कितने में बेची गई, इसकी भी जानकारी नहीं है। यह जांच का विषय है।
- 16 नवंबर 2023 को 9 करोड़ की जमीन 55.47 करोड़ में खरीदी गई।
- 2 अप्रैल 2024 को 2.92 करोड़ की जमीन चंपत राय को 24 करोड़ में बेची गई।

चंपत राय के इस्तीफे की खबर गलत

ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के इस्तीफे की खबर को मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव ने खारिज कर दिया है। गोपाल राव ने गुरुवार को संवाददाता से कहा कि चंपत राय ने इस्तीफा नहीं दिया है। सोशल मीडिया पर झूठी और भ्रामक खबरें फैलाई जा रही हैं। लोगों को अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। मामले की जांच एसआईटी कर रही है। SIT रिपोर्ट का इंतजार कीजिए। इसके बाद दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

अयोध्या पहुंचे केजरीवाल: बोले- 'चंदा चोरों' के विरोध में आया हूं रामलला के दरबार

आम आदमी पार्टी के संस्थापक अरविंद केजरीवाल अयोध्या पहुंच चुके हैं, जहां वे आज रात विश्राम करने के बाद कल सुबह हनुमानगढ़ी और राम जन्मभूमि में दर्शन-पूजन करेंगे. रामनगरी पहुंचने पर उन्होंने ट्रस्ट विवाद पर तीखा हमला बोला. केजरीवाल ने कहा कि भगवान राम के धन में चोरी हो रही है और वे इन 'चंदा चोरों' के विरोध में ही रामलला के दर्शन करने आए हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि इन लोगों ने भगवान के घर में सिर्फ चोरी नहीं बल्कि डाका डाला है, यहां तक कि भगवान की पादुका और उनके जेवर-गहने तक चोरी कर लिए हैं.

आप सांसद बोले- चंपत राय को जमीन बेचकर ट्रस्ट को चूना लगाया गया

राम मंदिर में हुए घोटाले से देश के लोगों में गुस्सा है। करोड़ों हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंची है। यूपी सरकार ने इसकी जांच के लिए एसआईटी बनाई है। इसकी अध्यक्षता लखनऊ कमिश्नर विजय विश्वास पंत कर रहे हैं। आज उन्होंने मुझे बुलाया था। मैंने उनसे मुलाकात कर सारे दस्तावेज सौंप दिए। मेरे पास 13 दस्तावेज थे। दो मामले आपस में जुड़े थे, इसलिए 11 सेट के कागजात SIT को सौंप दिए। आप जानकर हैरान हो जाएंगे कि किस प्रकार से 1 करोड़ की जमीन दान में बेच दी गई। इसके अलावा 9 करोड़ की जमीन 55.47 करोड़ में बेची गई।

राहुल गांधी के खिलाफ कार्तिकेय मानहानि केस बंद

जबलपुर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को कार्तिकेय मानहानि मामले में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि केस को समाप्त करने के निर्देश भोपाल की MP-MLA कोर्ट को दिए हैं। मामले की सुनवाई जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल की एकलपीठ ने की। सुनवाई के दौरान राहुल गांधी ने हलफनामा पेश कर कहा था कि उन्होंने कन्फ्यूजन में कार्तिकेय सिंह चौहान का नाम लिया था। इस पर खेद भी व्यक्त किया था। इसके बाद हाईकोर्ट ने कार्तिकेय सिंह चौहान का पक्ष जानने के लिए उन्हें जवाब दाखिल करने का अवसर दिया। कार्तिकेय की ओर से कोर्ट में कहा गया कि- अगर राहुल गांधी ने भूलवश उनका नाम लिया था और उस पर खेद जता दिया है, तो उन्हें अब इस पर कोई आपत्ति नहीं है। दोनों पक्षों के तर्क सुनने के बाद हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए राहुल गांधी को राहत दी है।

1 जुलाई से पासपोर्ट बनवाना होगा महंगा

नॉर्मल कैटेगरी पासपोर्ट 2,500 और तत्काल 5,000 में बनेगा

8,500 तक फीस खोने या डैमेज होने पर

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। 1 जुलाई से पासपोर्ट बनवाना या री-इश्यू कराना महंगा होगा। केंद्र सरकार ने पासपोर्ट की फीस बढ़ाने का फैसला किया है। नए नियम 1 जुलाई 2026 से लागू होंगे।

36 पेज वाले सामान्य पासपोर्ट की फीस 1,500 रुपए से बढ़कर 2,500 रुपए हो जाएगी।

वहीं, तत्काल पासपोर्ट के लिए अब 5,000 रुपए देने होंगे, जो पहले 3,500 रुपए थी। 60 पेज वाले पासपोर्ट की फीस भी बढ़ाई गई है। इसकी सामान्य फीस 2,000 रुपए से बढ़कर 3,500 रुपए और तत्काल फीस 4,000 रुपए से बढ़कर 6,000 रुपए हो जाएगी। मंत्रालय ने पासपोर्ट रूल्स, 1980 में संशोधन के बाद नई दरों को लेकर गजट नोटिफि-केशन जारी किया है।

ये बढ़ोतरी 14 साल बाद की गई है। इससे पहले 2012 में फीस में बदलाव हुआ था।

>> (शेष पेज 06 पर)

कोलकाता में बारिश से सड़कें डूबीं, जगह-जगह ट्रैफिक जाम

दिल्ली-एनसीआर में आंधी-बारिश से पेड़ गिरने, टेंट-शेड उड़ने का खतरा

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में गुरुवार दोपहर को मूसलाधार बारिश हुई। करीब दो घंटे की तेज बारिश से शहर की कई प्रमुख सड़कें डूब गईं।

कोलकाता और साल्ट लेक के कई इलाकों में सड़कों पर पानी भरने से लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। भारी बारिश के कारण तारातला में ढहे गोदाम पर चल रहा रेस्क्यू ऑपरेशन भी प्रभावित हुआ है। बुधवार को हुए हादसे में 10 लोगों की मौत हुई है। अब तक मलबे से 30 लोगों को निकाला गया है। कई लोग अभी भी मलबे के नीचे दबे हैं। इधर, 6 राज्यों- उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली में प्री-मानसून बारिश जारी है।

मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि जुलाई और अगस्त जैसे सबसे ज्यादा बारिश वाले महीनों में भी लोगों को गर्मी और उमस का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए इस बार नजर सिर्फ मानसून की एंट्री पर नहीं, बल्कि इस बात पर रहेगी कि आने वाले हफ्तों में वह कितना सक्रिय बना रहता है।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

भरत एनकाउंटर, 8 दिन बाद सम्राट बोले- दोषी को सजा होगी

भोजपुर। भोजपुर के भरत तिवारी एनकाउंटर के 8 दिन बाद सीएम सम्राट चौधरी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि समस्या यदि सामने आती है तो सरकार तुरंत चिंतित होकर आगे बढ़ेगी।सरकार ने सबसे ऊपर के आयोग का गठन किया है। जो गलत होगा उस पर कार्रवाई होगी।

महाराष्ट्र में नीट छात्र ने आत्महत्या की

नई दिल्ली/मुंबई। महाराष्ट्र के हिंगोली में 18 साल एक नीट अभ्यर्थी ने आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान सुशील धागे के रूप में हुई है। छात्र ने आत्महत्या से पहले मोबाइल फोन से अपना एक वीडियो रिकॉर्ड किया। फिर परिवारवालों को वीडियो भेजकर उसने एक कुएं में छलांग लगा दी। करीब 33 सेकंड के वीडियो में सुशील ने हाथ जोड़कर मां से माफी मांगी। उसने कहा- मां, मुझे माफ कर देना। मां, आप सुमेध के साथ रहना। अपना अच्छे से ख्याल रखना और मेरी चिंता मत करना। मैं बहुत दर्द में हूं।

अहमदाबाद एयरपोर्ट पर दो विमान आमने-सामने आए

अहमदाबाद। अहमदाबाद एयरपोर्ट पर बुधवार शाम एक बड़ा विमान हादसा टल गया। एअर इंडिया और इंडिगो के दो विमान एक ही टैक्सीवे (रनवे का एक हिस्सा) पर आमने-सामने आ गए। हालांकि दोनों विमानों को समय रहते रोक लिया गया। सूत्रों के अनुसार, मुंबई जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट उड़ान भरने की तैयारी कर रही थी।

राहुल-अखिलेश किस मुंह से जनता के बीच जाएंगे : योगी

कांग्रेस ने इमरजेंसी लगाकर अटल-मुलायम को जेल में डाला

तमसा संकेत, एजेंसी

संतकबीर नगर। सीएम योगी गुरुवार को पहले संतकबीर नगर और फिर गोरखपुर पहुंचे। संतकबीर नगर में योगी ने कहा- आज ही के दिन 25 जून, 1975 को इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लगाया था। लोकतंत्र की हत्या की थी। अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, मुलायम सिंह यादव जैसे नेताओं को जेल में डाल दिया था। आज राहुल गांधी और अखिलेश यादव किस मुंह से लोगों के बीच जाते हैं? ये लोग साल-2024 में संविधान की कॉपी लेकर घूमते थे। जबकि, संविधान की हत्या का काम भी इन्हीं लोगों ने किया था। सीएम योगी संतकबीर नगर के बंसवारी गांव स्थित प्राचीन बैजूनाथ धाम में

जनसभा को संबोधित किया। साथ ही संतकबीर नगर की धनघटा और गोरखपुर की खजनी विधानसभा क्षेत्र के लिए कुल 475 करोड़ की 139 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

योगी ने कहा- सपा और कांग्रेस की सरकारों में लोगों के आने-जाने पर रोक लगा दी जाती थी। मतदान करने पर भी रोक लगा दी जाती थी। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के संविधान को अपमानित करने का काम किया जाता था।

कोलकाता गोदाम हादसे में मरने वालों की संख्या 11 हुई

आज 5 लोगों को रेस्क्यू किया, अभी भी कई फंसे

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता के गोदाम हादसे में मरने वालों का आंकड़ा 11 हो गया है। गुरुवार को 6 और लोगों के शव मिले। इसके अलावा, अब तक 20 लोगों को बचाया गया है। इनमें 2 ICU में है। 18 की हालत खतरे से बाहर है। हादसे के करीब 26 घंटे बाद भी सेना, NDRF, SDRF, कोलकाता पुलिस, दमकल विभाग, सेना और अन्य एजेंसियां संयुक्त रूप से मलबा हटाने और फंसे लोगों की तलाश में जुटी हैं। सेना ने इसके लिए ग्राउंड-पेनेट्रेटिंग रडार (GPR) सिस्टम भी लगाया है। प्रशासन ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। इसकी वजह निर्माण संबंधी तकनीकी खामी या

संरचनात्मक कमजोरी की आशंका जताई जा रही है। इस मामले में अब तक 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सीएम सुवेंदु अधिकारी ने कोलकाता नगर निगम (KMC) क्षेत्राधिकार में आने वाली सभी निर्माणाधीन प्रोजेक्ट्स का ऑडिट कराने की घोषणा की है। सीएम ने कहा कि यह ऑडिट उन सभी प्रोजेक्ट्स का होगा, जिन्हें पिछली TMC सरकार के कार्यकाल में मंजूरी दी गई थी।

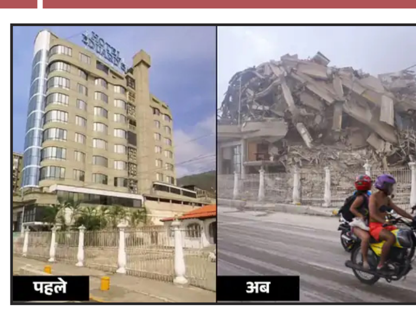

लोगों ने बताया कि भूकंप के बाद 60 सेकेंड तक शहर हिलता रहा। 20 ऑफ्टरशॉक भी दर्ज किए गए हैं। न्यूज एजेंसी आप के मुताबिक अब तक 164 मौतों की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 971 घायल हैं।

ये भूकंप ऐसे दिन आए, जब पूरे देश में राष्ट्रीय अवकाश था। 1821 में स्पेन के खिलाफ आजादी की लड़ाई की ऐतिहासिक जीत की सालगिरह पर स्कूल और दफ्तर बंद थे। इसी वजह से ज्यादातर लोग अपने घरों में मौजूद थे।

60 सेकेंड तक शहर हिलता रहा, अब तक 164 की मौत, 971 घायल

वेनेजुएला में 39 सेकेंड में भूकंप के 2 बड़े झटके

तबाही

तमसा संकेत, एजेंसी

वेनेजुएला। वेनेजुएला में 39 सेकेंड में दो ताकतवर भूकंप से तबाही मच गई है। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में बुधवार शाम 6.04 बजे 7.2 और 6.05 बजे 7.5 तीव्रता के दो झटके आए। उस समय भारत में गुरुवार तड़के 3.34 और 3.35 बजे थे। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, भूकंप से 10 हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने की 44% आशंका है।

वहीं, 30% आशंका एक लाख लोगों के जान गंवाने की भी है। दोनों भूकंप राजधानी कराकस से करीब 290 किलोमीटर पश्चिम में आए। इससे कई शहरों में इमारतें गिर गईं या खतरनाक तरीके से झुक गईं। कराकस एयरपोर्ट की छत का कुछ हिस्सा गिर गया। इससे धूल का गुबार उठता दिखाई दिया। उस भूकंप में कराकस की कई चर्च, सरकारी इमारतें और घर क्षतिग्रस्त हो गए थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

वेनेजुएला में 1900 के बाद सबसे बड़ा भूकंप

वेनेजुएला या उसके आसपास के तटीय क्षेत्र में 7.5 तीव्रता वाला भूकंप पिछले 100 से अधिक साल में आया सबसे शक्तिशाली भूकंप है। इससे पहले वर्ष 1900 में 7.7 तीव्रता का सैन नार्सिसो भूकंप आया था। उसका केंद्र भी कैरेबियाई तट के पास था।

लगातार दो बड़े झटकों से राजधानी समेत कई शहरों में इमारतें मलबे में तब्दील हो गई हैं।

'अर्थक्वेक डबलट' क्या है

दोनों भूकंप बहुत कम समय और बहुत कम दूरी के भीतर आए। वैज्ञानिक ऐसी घटना को अर्थक्वेक डबलट कहते हैं। इसमें दो बड़े भूकंप लगभग एक ही इलाके में और कुछ सेकंड या मिनट के अंतराल पर आते हैं।

ऐसे मामलों में दूसरा भूकंप अक्सर पहले से अधिक नुकसान पहुंचा सकता है, क्योंकि पहली घटना से कमजोर हो चुकी इमारतें दूसरे

भूकंपों के बाद राजधानी कराकस में सैकड़ों लोगों ने पूरी रात सड़कों पर बिताई। कई लोगों के घर भूकंप में क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि बड़ी संख्या में लोग लगातार आ रहे आफ्टरशॉक के डर से अपने घरों में लौटने की हिम्मत नहीं जुटा सके। कई परिवार बच्चों और जरूरी सामान के साथ खुले मैदानों और सड़कों पर रातभर डटे रहे। लोगों को आशंका है कि क्षतिग्रस्त इमारतें किसी भी समय गिर सकती हैं।

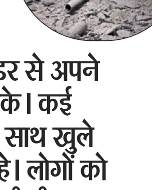

126 साल में सबसे बड़ा भूकंप, देश में इमरजेंसी

वेनेजुएला में यह पिछले 126 साल का सबसे बड़ा भूकंप है, इससे पहले 1900 में 7.7 का तीव्रता का भूकंप आया था। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर दिया।

27 साल पहले हुए भूस्खलन में ला ग्वाइरा शहर में 15 हजार लोग मारे गए थे

बुधवार को आए दोनों शक्तिशाली भूकंपों का सबसे ज्यादा असर ला ग्वाइरा शहर में दिखाई दिया। यह वेनेजुएला की राजधानी कराकस के पास स्थित एक पोर्ट सिटी है। साल 1999 में यहां मूसलाधार बारिश के बाद भीषण भूस्खलन हुआ था। पहाड़ियों पर बनी बस्तियां मलबे में दब गई थीं और कम से कम 15 हजार लोगों की मौत हुई थी। उस समय यह हादसा तत्कालीन राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज के सत्ता संभालने के कुछ ही महीनों बाद हुआ था। अभी यह जो हादसा हुआ है वह डेल्सी रोड्रिगेज के कार्यवाहक राष्ट्रपति बनने के कुछ महीने बाद हुआ है।

फायर सेफ्टी के मानक पूरे नहीं होने पर एक्शन, लखनऊ अग्निकांड में गई थी 15 जान

एलडीए ने भूमि आईएएस समेत कई कोचिंग सील की

कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ अग्निकांड में 15 लोगों की जान चली गई। इसके बाद से लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) ने कोचिंग, लाइब्रेरी, शॉपिंग कॉम्प्लेक्सों की जांच शुरू कर दी। गुरुवार को LDA, फायर विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने कई इलाकों में मानकों के विपरीत चल रहे प्रतिष्ठानों की जांच कर रही है। मानक पूरे नहीं होने पर टीम ने गोमतीनगर की भूमि IAS कोचिंग, विद्या मंदिर कोचिंग और दृष्टिकोण लाइब्रेरी सील कर दी। LDA उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर शुरू हुआ यह अभियान लगातार 3 सप्ताह तक चलाया जाएगा। इसमें कोचिंग सेंटर, लाइब्रेरी, होटल, नर्सिंग होम, डांस स्टूडियो, प्ले ग्रुप स्कूल और व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स की जांच की जाएगी।

LDA अफसरों का कहना है कि जिन भवनों में अग्नि सुरक्षा, पार्किंग और मानचित्र संबंधी मानकों का उल्लंघन मिलेगा, उनके खिलाफ सीलिंग और नोटिस की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, 24 जून (बुधवार) को सुरक्षा मानकों को अनदेखी करके चल रहे 71 प्रतिष्ठानों को सील किया गया था।

इनमें एलन, ग्रेविटी, आकाश, गवर्नमेंट एग्जाम वाला और पैरामाउंट जैसे बड़े कोचिंग संस्थान शामिल रहे। एलडीए ने 83 भवन मालिकों को नोटिस भी जारी किया था।

अलीगंज में 22 जून को लगी थी आग

अलीगंज स्थित एक इमारत में 22 जून को आग लग गई थी। यहां बेसमेंट, ग्राउंड और पहले फ्लोर पर पेट शॉप और क्लीनिक थी। दूसरे फ्लोर पर लर्निंग स्पेस नाम की लाइब्रेरी (कोचिंग) और हेड हॉपर स्टूडियो था। इसमें 3D आर्ट प्रोडक्शन और गेम एसेट आउटसोर्सिंग का काम होता था। हॉपर स्टूडियो में काम करने वाले 15 लोगों की मौत हो गई थी।

पत्रकारपुरम में खुद से सामान हटा रहे हैं दुकानदार

LDA टीम शहरभर में कार्रवाई कर रही है। एक टीम पत्रकारपुरम में पहुंची है। टीम को देखकर तमाम दुकानदार खुद ही अपना सामान हटाने लगे हैं। रायबरेली से आए अभिषेक ने कहा कि अग्निकांड के दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। लखनऊ में हजारों जगह ऐसे हैं, जहां आवासीय मकानों में कॉमर्शियल गतिविधियां चल रही हैं।

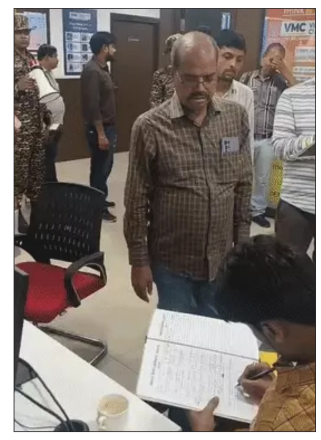

गोमती नगर के विराज खंड में विद्या मंदिर कोचिंग सील की गई।

'अफसर आंखों पर काली पट्टी बांधे हैं'

मुकेश ने कहा कि सिस्टम की लापरवाही से इतने लोगों की जान गई है। अफसर आंखें पर पट्टी बांधे हैं। ऐसे ही हमारे बच्चों की जान जाती रहेगी। गोमती नगर विनय खंड में आर्या इंस्टीट्यूट म्यूजिक कोचिंग सेंटर को सील किया गया। अधिकारियों का कहना है कि बिना फायर एग्जिट गेट के सेंटर चल रहा था।

नई बीजेपी टीम में लखनऊ के अभिजात मिश्र का प्रमोशन

नीरज सिंह बोले- अलीगंज में मासूमों की घटना दुःखद

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश की नई प्रदेश कार्यकारिणी घोषित होने के बाद पार्टी संगठन में उत्साह का माहौल है। लखनऊ से प्रदेश मंत्री अभिजात मिश्रा को प्रदेश महामंत्री बनाया गया है। नई कार्यकारिणी के बाद भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने नई टीम के सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि अनुभवी और समर्पित कार्यकर्ताओं की यह टीम संगठन को नई दिशा और गति प्रदान करेगी।

उन्होंने विशेष रूप से डॉ. नीरज सिंह को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने को संगठन के समर्पित कार्यकर्ताओं के सम्मान के रूप में बताया।

नीरज सिंह ने बीजेपी प्रदेश की नई कार्यकारिणी आने के बाद सोशल मीडिया पर बीते 24 साल के संघर्ष को लेकर पोस्ट किया। उन्होंने

कहा साल 2002 में हैरदगढ़ विधानसभा के चुनाव से शुरु हुई राजनीतिक सफर के साथ प्रदेश उपाध्यक्ष बनने का समर्पण को लिखा। इसके बाद दूसरा पोस्ट लिखते हुए नीरज सिंह ने कहा लखनऊ अलीगंज के अग्निकांड में मासूम बच्चों के असामयिक निधन से मन अत्यंत व्यथित है। इसलिए कोई भी स्वागत या सम्मान समारोह न किया जाए। वहीं लखनऊ युवा मोर्चा में कार्य करने वाले प्रदेश मंत्री रहे अभिजात मिश्रा को प्रदेश महामंत्री बनाया गया है। अभिजात मिश्रा आरएसएस के करीबी माने जाते है। लखनऊ के रहने वाले है।

फास्ट न्यूज

जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के लिए वैज्ञानिक रणनीति जरूरी

लखनऊ । केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान गुरुवार को लखनऊ पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही और ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों के साथ कृषि एवं ग्रामीण विकास से जुड़े मुद्दों पर व्यापक चर्चा की।

06 जुलाई 2026 को होगी राज्य परिवहन प्राधिकरण

लखनऊ। राज्य परिवहन प्राधिकरण, उत्तर प्रदेश की बैठक 06 जुलाई 2026 को पूर्वान्ह 11.00 बजे से कार्यालय परिवहन आयुक्त, उत्तर प्रदेश, टेहरी कोठी, महात्मा गांधी मार्ग, लखनऊ में सम्पन्न होगी। यह जानकारी देते हुए सचिव, राज्य परिवहन प्राधिकरण, उत्तर प्रदेश ने बताया कि उक्त बैठक में परमिटों के नवीनीकरण एवं हस्तान्तरण हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्रों, नये परमिटों के आवेदन पत्रों, मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा-86 के अंतर्गत परमिटों को निरस्त/ निलम्बित करने की कार्यवाही एवं अन्य तात्कालिक प्रकरणों पर विचार किया जायेगा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से सुपरवाइजर की मौत

लखनऊ । लखनऊ के सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है। मुकेश प्राइवेट कंपनी में सुपरवाइजर के तौर पर काम करते थे।

मुकेश गौतम मूल रूप से सिद्धार्थनगर जिले के खजुरिया सरकी गांव के रहने वाले थे।

मोहर्रम की शबील में अलीगंज अग्निकांड के 15 मासूम बच्चों को दी गई श्रद्धांजलि

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मोहर्रम के पवित्र महीने में इमाम हुसैन (अ.स.) की शहादत और मैदान-ए-कर्बला की प्यास की याद में अमायरा फाउंडेशन द्वारा एक शबील का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में हुए भीषण अग्निकांड में जान गंवाने वाले 15 मासूम बच्चों को विशेष श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों की तस्वीरें लगाकर मोमबत्तियां जलाई गईं। अमायरा फाउंडेशन के जनरल सेक्रेटरी रियाज़-उल-हक़ ने कहा कि मोहर्रम का महीना हमें अहले बैत के सब्र, कुर्बानी और इंसानियत के संदेश की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि अलीगंज अग्निकांड में शहीद हुए 15 मासूम बच्चों की याद में आज उन्हें श्रद्धांजलि दी गई और अल्लाह से दुआ है कि वह सभी बच्चों को जन्नतुल फिरदौस में आला मकाम अता फरमाए तथा उनके परिजनों को इस कठिन समय में सब्र

और हिम्मत प्रदान करे। रियाज़-उल-हक़ ने कहा कि देश के नागरिक होने के नाते वे सरकार से मांग करते हैं कि इस अग्निकांड के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही ऐसे संस्थानों और प्रतिष्ठानों पर भी कठोर कार्रवाई हो जो रिहायशी क्षेत्रों एवं मकानों में गैरकानूनी रूप से व्यावसायिक गतिविधियां संचालित कर रहे हैं, जिससे भविष्य में इस प्रकार की दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। अमायरा फाउंडेशन के उपाध्यक्ष अब्दुल वाज़े ने कहा कि अलीगंज अग्निकांड से हमारा पूरा लखनऊ एक बेहद गंभीर और भावुक दौर से गुजर रहा है।

गोल्डन ऑवर में विश्वस्तरीय आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

यूपी में स्थापित होगा एकीकृत ट्रॉमा एवं इमरजेंसी नेटवर्क

- 310 चिकित्सा संस्थानों को जोड़कर तैयार होगा उत्तर प्रदेश ट्रॉमा एवं इमरजेंसी नेटवर्क
- मुख्य सचिव ने दी यूपीटीईएन स्थापना को सहमति, सक्षम स्तर से अनुमोदन के उपरांत होगी अग्रेतर कार्यवाही

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्य सचिव एस.पी. गोयल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में उत्तर प्रदेश में ट्रॉमा एवं आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ एवं अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से राज्य स्तर पर एकीकृत ट्रॉमा एवं इमरजेंसी नेटवर्क (UPTEN) की स्थापना के संबंध में एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया।प्रस्तुतीकरण के उपरांत मुख्य सचिव ने एकीकृत ट्रॉमा एवं इमरजेंसी नेटवर्क की स्थापना के प्रस्ताव पर अपनी सहमति व्यक्त करते हुए आवश्यक अनुमोदन प्राप्त होने के पश्चात आगे की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि UPTEN को एक एकीकृत, त्रिस्तरीय, बहु-चरणीय एवं केंद्रीकृत नेतृत्व आधारित नेटवर्क के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके अंतर्गत स्तर-1 में 11 शीर्ष एवं प्रमुख शिक्षण संस्थानों को शामिल किया जाएगा, जबकि स्तर-2 में 36 मेडिकल कॉलेजों को जोड़ा जाएगा।

मुख्य सचिव के समक्ष राज्य स्तर पर एकीकृत ट्रॉमा एवं इमरजेंसी नेटवर्क की स्थापना के संबंध में एक किया गया विस्तृत प्रस्तुतीकरण प्रदेश के हर नागरिक तक समयबद्ध आपातकालीन चिकित्सा पहुंचाने की तैयारी

वर्तमान में एक समन्वित एवं एकीकृत प्रणाली का अभाव

बैठक में अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, अमित कुमार घोष ने बताया कि प्रदेश सड़क दुर्घटनाओं, गंभीर जलन, हृदयाघात, स्ट्रोक, सेप्सिस, विषाक्तता तथा प्रसूति एवं बाल चिकित्सा संबंधी आपात स्थितियों के प्रभावी प्रबंधन के लिए वर्तमान में एक समन्वित एवं एकीकृत प्रणाली का अभाव है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए ट्रॉमा एवं आपातकालीन सेवाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु गठित टेक्निकल टास्क फोर्स कमेटी ने राज्यव्यापी एकीकृत ट्रॉमा एवं आपातकालीन प्रणाली की स्थापना की संस्तुति की है। समिति ने उत्तर प्रदेश ट्रॉमा एवं इमरजेंसी नेटवर्क (UPTEN) की स्थापना का सुझाव देते हुए कहा है कि यह पहल प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को आपात स्थिति में गोल्डन ऑवर के भीतर गुणवत्तापूर्ण एवं विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

प्रस्तावित व्यवस्था के अंतर्गत आपातकालीन उपचार के प्रथम 48 घंटों तक निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने तथा नेटवर्क को टेलीमेडिसिन एवं डिजिटल स्वास्थ्य प्रणालियों के साथ एकीकृत करने का भी प्रावधान किया गया है। इससे प्रदेश में आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता, पहुंच और दक्षता में उल्लेखनीय सुधार होने की अपेक्षा है।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने उ0प्र0 शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की

अभ्यर्थियों की चेकिंग एवं फ्रिस्किंग पूरी गंभीरता के साथ हो : दीपक कुमार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री दीपक कुमार ने उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (UPTET) 2026 की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने निर्देश दिए कि उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन निर्धारित मानकों के अनुरूप सकुशल, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से सुनिश्चित किया जाए। परीक्षा सामग्री की सुरक्षा से लेकर परीक्षा केंद्रों की निगरानी तक प्रत्येक स्तर पर विशेष सतर्कता बरती जाए।अभ्यर्थियों की चेकिंग एवं फ्रिस्किंग पूरी गंभीरता के साथ की जाए। उन्होंने कहा कि गोपनीय परीक्षा सामग्री का भंडारण कोषागार के डबल-लॉक सिस्टम में किया जाए तथा प्रश्नपत्रों एवं अन्य गोपनीय सामग्री का परिवहन सेक्टर मजिस्ट्रेट की अभिरक्षा में सुनिश्चित किया जाए। परीक्षा केंद्रों पर स्थापित कंट्रोल रूम से सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी रखी जाए।

उन्होंने कहा कि यातायात प्रबंध, चिकित्सकीय प्रबंध, पेयजल की उपलब्धता एवं सुचारू विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था की जाए, साथ ही ग्रीष्म ऋतु एवं संभावित मानसून के दृष्टिगत आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं।

बैठक में अवगत कराया गया कि उच्च प्राथमिक स्तर की शिक्षक पात्रता परीक्षा 02 जुलाई, 2026को दो पालियों में एवं 03 जुलाई, 2026 को प्रथम पाली में आयोजित होगी। वहीं प्राथमिक स्तर की परीक्षा 03 जुलाई, 2026 को द्वितीय पाली एवं 04 जुलाई, 2026 को प्रथम पाली आयोजित होगी।

संपूर्ण प्रक्रिया निर्धारित मानकों के अनुरूप संपन्न कराई जाए

कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि प्रश्नपत्रों को खोलने, वितरण करने तथा परीक्षा समाप्ति के उपरांत पुनः सील करने की संपूर्ण प्रक्रिया निर्धारित मानकों के अनुरूप संपन्न कराई जाए। इसके लिए परीक्षा से संबंधित सभी कार्मिकों को पूर्व में ही संवेदन-शील एवं प्रशिक्षित किया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की त्रुटि की संभावना न रहे। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि संपूर्ण प्रक्रिया की अनिवार्य रूप से वीडियोग्राफी कराई जाए, जिससे किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना समाप्त हो सके।

अन्तर्राष्ट्रीय मद्य निषेध दिवस पर जन जागरूकता हेतु आयोजित होंगे विविध कार्यक्रम

लखनऊ । अन्तर्राष्ट्रीय मद्य निषेध दिवस 26 जून, 2026 को उत्तर प्रदेश के मद्य निषेध विभाग द्वारा 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत लखनऊ स्थित चौधरी चरण सिंह, सहकारिता भवन के सभागार में 'मादक पदार्थों का दुरुपयोग एवं अवैध व्यापार विरोधी अन्तर्राष्ट्रीय दिवस' के रूप में मनाया जायेगा एवं जन जागरूकता हेतु विविध कार्यक्रमों सहित सेमिनार व संगोष्ठी का भी आयोजन किया जायेगा।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नितिन अग्रवाल पूर्वाह्न 11ः00 बजे से कार्यक्रम में प्रतिभाग कर 19 जून, 2026 को आयोजित प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र प्रदान करेंगे। साथ ही विभाग की प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं स्मारिका का विमोचन भी करेंगे।

ओ0बी0सी0 छात्र-छात्राओं को शीघ्र ही शैक्षिक आवासीय सुविधा उपलब्ध होगी

तमसा संकेत, संवाददाता

- पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की 'छात्रावास निर्माण योजना' के अन्तर्गत 06 छात्रावासों का निर्माण कार्य पूर्ण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा पिछड़ा वर्ग के निर्धन छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक आवासीय सुविधाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से छात्रावास निर्माण एवं छात्रावास अनुरक्षण योजनाओं को संचालित किया जा रहा है। इन योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के पिछड़े वर्ग के निर्धन छात्र-छात्राओं को उच्च गुणवत्ता युक्त सुरक्षित, सुविधाजनक एवं अनुकूल शैक्षिक आवासीय वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। उ0प्र0 सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 20 करोड़ रूपये के बजट की व्यवस्था की गयी है। योजनान्तर्गत राजकीय शिक्षण संस्थाओं में छात्राओं के छात्रावास हेतु केंद्र व राज्य का अनुपात 90ः10 तथा छात्रों के छात्रावास हेतु 60ः40 अनुपात निर्धारित किया गया है। इसमें कुल 33 प्रतिशत छात्रावासों का निर्माण छात्राओं के लिए आरक्षित है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 में पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा छात्रावास निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा बैठक में मा0 मंत्री जी को बताया गया कि राजकीय पॉलिटेक्निक, हण्डिया (प्रयागराज), राजकीय के.जी.के. होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज (मुरादाबाद), काशी नरेश राजकीय महाविद्यालय, ज्ञानपुर (संत रविदास नगर), सर्वोदय इंटर कॉलेज, मिहीपुरवा (बहराइच), लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय (गोण्डा), वीरभूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (महोबा) में निर्माण कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

धमकी : लखनऊ में सीने पर असलहा सटाकर बोला- मार दूंगा, दुकानदारों का प्रदर्शन

पूर्व एमएलसी के बेटे ने दुकानदार पर पिस्टल तानी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के हजरतगंज स्थित श्रीराम टावर में बुधवार रात सपा के पूर्व एमएलसी जयचंद भदौरिया के बेटे विवेक सिंह ने मोबाइल दुकानदार पर पिस्टल से फायर कर दिया। गनीमत रही कि गोली मिस हो गई। इसके बाद उसने दुकानदार के सीने पर पिस्टल की नोक से कई वार किए।

गाली-गलौज करके जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद मौके से फरार हो गया। इससे नाराज दुकानदारों ने हजरतगंज कोतवाली पहुंचकर प्रदर्शन किया। पुलिस पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। हालांकि, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पीड़ित दुकानदार का आरोप है कि युवक ने गाली-गलौज करते पिस्टल निकाल ली। पिस्टल से फायर कर दिया। गनीमत रही कि गोली नहीं चली। इसके बाद आरोपी ने पिस्टल से सीने पर वार कई वार किए। जिससे उन्हें काफी चोट आई। आरोपी ने सीने पर पिस्टल सटाकर गोली मारने की धमकी दी। देर रात बड़ी संख्या में व्यापारी हजरतगंज कोतवाली पहुंचे। पुलिस पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। दुकानदार गुप्ता ने कहा कि हमारे पास आरोपी का मोबाइल और गाड़ी नंबर है। फोटो और अन्य सारी डिटेल है। करीब दो-तीन घंटे से कोतवाली में खड़े हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मामले में कार्रवाई की मांग की। पुलिस के मुताबिक, दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान इटावा के पूर्व सपा एमएलसी जयचंद भदौरिया के बेटे विवेक सिंह के रूप में की गई। वह डालीगंज में रहता है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

मोबाइल लेने पहुंचा था युवक

महबूबगंज सहादतगंज निवासी काविश अदित श्रीराम टावर में अर्जुन गुप्ता के साथ पार्टनरशिप में मोबाइल वाला नाम से दुकान चलाते हैं। उन्होंने बताया दुकान पर बुधवार रात करीब 9:54 बजे एक युवक मोबाइल लेने पहुंचा। उससे कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर युवक ने पिस्टल निकालकर धमकाना शुरू कर दिया।

> "दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी घटना रिकॉर्ड हो गई है। शोर-शराबा सुनकर आसपास के दुकानदार और लोग मौके पर पहुंच गए। लोगों को आता देख आरोपी वहां से फरार हो गया। घटना के बाद व्यापारियों में आक्रोश फैल गया।

आरोपी विवेक सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

जनसुनवाई में मंत्री ए.के. शर्मा ने सुनीं जनसमस्याएं

अधिकारियों को दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने आज लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने ऊर्जा एवं नगर विकास विभाग से संबंधित मामलों की विस्तार से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं संतोष-जनक निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याओं और मांगों को लेकर पहुंचे। इनमें नगर निकायों की सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, सीवर एवं जल निकासी की समस्याएं, विद्युत कनेक्शन, ट्रांसफार्मर स्थापना एवं क्षमता वृद्धि, विद्युत आपूर्ति से जुड़े प्रकरण, आवास योजनाओं के लाभ, सड़क एवं प्रकाश व्यवस्था सहित विभिन्न जनसुविधाओं से संबंधित शिकायतें प्रमुख रूप से शामिल रहीं। मंत्री श्री शर्मा ने एक-एक प्रकरण को गंभीरता से सुनते हुए अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने तथा शिकायतकर्ताओं को यथाशीघ्र राहत प्रदान करने के निर्देश दिए।

C M Y K

निर्जला एकादशी पर सामाजिक समरसता का संदेश

सेवा

मोचियों और जरूरतमंदों को बांटे घड़े और खाद्य सामग्री

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर गुरुवार को उन्नाव में सामाजिक सेवा और सहयोग का अनूठा उदाहरण देखने को मिला। नर सेवा-नारायण सेवा समिति के संस्थापक एवं भाजपा नेता विमल द्विवेदी के नेतृत्व में शहर में जरूरतमंदों के बीच सहायता सामग्री का वितरण किया गया। इस दौरान मोचियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को सम्मानपूर्वक आवश्यक वस्तुएं प्रदान की गईं। कार्यक्रम में जिला संयोजक अजय त्रिवेदी, अनीता विमल द्विवेदी, राकेश राजपूत, केतन अवस्थी, अभि तिवारी, राजेंद्र राजपूत, अमूल्य, विकास सिंह सेंगर, राघवेंद्र पांडेय, मनीष अवस्थी, धर्मेंद्र शुक्ल और परिमल मिश्रा सहित कई लोग उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों ने इस सेवा कार्य की सराहना की और इसे समाज में सहयोग एवं समरसता बढ़ाने वाला प्रयास बताया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने मिलकर सामाजिक सहयोग और मानव सेवा का संदेश दिया। ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को निर्जला एकादशी या भीमसेनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह व्रत अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है। कहा जाता है कि जो व्यक्ति वर्षभर की सभी एकादशियों का व्रत नहीं कर पाता, वह केवल निर्जला एकादशी का व्रत रखकर सभी एकादशियों के बराबर पुण्य प्राप्त कर सकता है।

वर्षों से चल रहा सेवा अभियान

विमल द्विवेदी ने बताया कि यह सेवा अभियान पिछले कई वर्षों से लगातार चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों तक सहायता पहुंचाना और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना है।

उन्होंने कहा कि सेवा कार्य केवल सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक है। इस अवसर पर विमल द्विवेदी ने कहा कि सनातन धर्म में दान और सेवा का विशेष महत्व है।

उन्होंने यह भी कहा कि समाज की सभी जातियां हिंदुत्व के मजबूत स्तंभ हैं और हर व्यक्ति को समान सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे प्रयास सामाजिक एकता, भाईचारे और समरसता को मजबूत करते हैं।

मिट्टी के घड़े से लेकर खाद्य सामग्री तक वितरित

कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद लोगों को मिट्टी के घड़े, खाद्य सामग्री, अंग वस्त्र और दैनिक उपयोग की अन्य आवश्यक वस्तुएं वितरित की गईं। आयोजन का उद्देश्य न केवल सहायता पहुंचाना था, बल्कि समाज के वंचित वर्ग को सम्मान के साथ जोड़ना भी रहा।

बड़ी संख्या में लोग रहे मौजूद

कार्यक्रम में जिला संयोजक अजय त्रिवेदी, अनीता विमल द्विवेदी, राकेश राजपूत, केतन अवस्थी, अभि तिवारी, राजेंद्र राजपूत, अमूल्य, विकास सिंह सेंगर, राघवेंद्र पांडेय, मनीष अवस्थी, धर्मेंद्र शुक्ल और परिमल मिश्रा सहित कई लोग उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों ने इस सेवा कार्य की सराहना की और इसे समाज में सहयोग एवं समरसता बढ़ाने वाला प्रयास बताया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने मिलकर सामाजिक सहयोग और मानव सेवा का संदेश दिया।

माटीकला टूल किट्स योजना, पगमिल मशीन के लिए आवेदन शुरू

हरदोई में 5 इकाइयों को मिलेगा लाभ, 6 जुलाई 2026 तक करें ऑनलाइन अप्लाई

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड की माटीकला टूल किट्स योजना के तहत हरदोई जिले को पांच पगमिल (मिट्टी गूंथने की मशीन) वितरित करने का लक्ष्य मिला है। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी सुष्मिता सिंह ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य माटीकला उद्यमियों को आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराकर उनके कार्य को सुविधाजनक और लाभकारी बनाना है। योजना के तहत लाभार्थियों का चयन मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के अंतर्गत वित्तपोषित, स्थापित एवं संचालित इकाइयों में से किया जाएगा। ऐसे उद्यमी पात्र होंगे जिन्होंने वित्तीय वर्ष 2019-20 से 2025-26 के बीच योजना के तहत न्यूनतम से लेकर पांच लाख रुपये तक का ऋण प्राप्त कर

अपनी इकाई स्थापित की हो। इच्छुक पात्र उद्यमियों को माटीकला बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन की अंतिम तिथि 06 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। ऑनलाइन आवेदन के बाद उसकी हार्डकॉपी जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, सिनेमा चौराहा, लखनऊ रोड, हरदोई में जमा करना अनिवार्य है। बिना हार्डकॉपी जमा किए किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने बताया कि पगमिल मशीनें मिलने से मिट्टी तैयार करने की प्रक्रिया आसान होगी और उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी। इससे माटीकला व्यवसाय से जुड़े कारीगरों की आय बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने सभी पात्र उद्यमियों से समय रहते आवेदन करने की अपील की है। योजना संबंधी अधिक जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, सिनेमा चौराहा, लखनऊ रोड, हरदोई से संपर्क किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, कार्यालय के संपर्क सूत्र 7408410807 पर भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

फास्ट न्यूज़

पति के टॉर्चर से तंग पत्नी ने सुसाइड किया

कानपुर। कानपुर में एक महिला की मौत के बाद परिजनों ने हंगामा कर दिया। मायके पक्ष के लोगों ने प्रताड़ना का आरोप लगाया। जिस पर ससुरालीजनों से उनकी तीखी नोंकझोक हुई। परिजनों का आरोप है कि पति शराब के नशे धुत होकर आए दिन बेटी के साथ मारपीट करता था, जिससे तंग आकर उसने जहरीला पदार्थ खा लिया। पुलिस ने परिजनों को कार्रवाई का आश्वासन देकर शव को पोस्टमार्टम भिजवाया।

बारातियों से भरी अनियंत्रित बस खंती में गिरी

हरदोई। हरदोई-सांडी मार्ग पर गुरुवार की सुबह सांडी कस्बा स्थित पक्षी विहार पुलिया के पास एक बड़ा हादसा बच गया। बारातियों से भरी एक तेज रफ्तार निजी बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरी खाई में उतर गई। बस पलटने से बच गई, जिससे उसमें सवार 50 से अधिक बाराती सुरक्षित रहे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि यह घटना गुरुवार सुबह उस समय हुई जब बस हरदोई से बारातियों को लेकर फर्रुखाबाद जा रही थी। सांडी पक्षी विहार पुलिया के पास पहुंचते ही चालक ने बस पर से नियंत्रण खो दिया। तेज रफ्तार के कारण बस लहराती हुई सड़क किनारे खाई में जा गिरी।

बाराबंकी में ट्रांसफार्मर में लगी भीषण आग

बाराबंकी। बाराबंकी के मसौली ब्लॉक के करमुल्लापुर गांव में गुरुवार सुबह एक विद्युत ट्रांसफार्मर में भीषण आग लग गई। इस घटना से पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई और ग्रामीणों में दहशत फैल गई। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है। ग्रामीण रघुराज गौतम ने बताया कि उनके घर के सामने लगे ट्रांसफार्मर से सुबह करीब 5 बजे से चिंगारियां निकल रही थीं। इसकी सूचना तत्काल विद्युत विभाग को दी गई थी।

व्यक्ति की संदिग्ध हालत में हुई मौत

पीपल के पेड़ से लटका मिला शव, पुलिस जांच में जुटी

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के जवाहर खेड़ा गांव में गुरुवार सुबह एक किसान का शव पीपल के पेड़ से लटका मिला। घटना सदर कोतवाली क्षेत्र की है। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान जवाहर खेड़ा गांव निवासी 40 वर्षीय होरीलाल पुत्र रग्घू के रूप में हुई है। सुबह करीब सात बजे जब ग्रामीणों ने गांव के बाहर पेड़ पर शव लटका देखा तो इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही सदर कोतवाली पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और

आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ कर जानकारी जुटाई। पुलिस ने शव को पेड़ से उतरवाकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल स्थित मोर्चरी भेज दिया। मौके पर पहुंचे इंस्पेक्टर सीके मिश्र ने बताया कि मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहनता से जांच कर रही है।

बाराबंकी सीएमओ की सख्त चेतावनी, अस्पतालों का पंजीकरण होगा रद्द

अग्नि सुरक्षा में खामियां मिलीं, 30 जून तक सुधार का अल्टीमेटम

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। लखनऊ के एक कोचिंग संस्थान में हुए अग्निकांड के बाद बाराबंकी स्वास्थ्य महकमा अलर्ट हो गया है। जिले में निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम में अग्नि सुरक्षा इंतजामों की पड़ताल की गई, जिसमें कई चौंकाने वाली खामियां सामने आईं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. रंजन गौतम ने इसे गंभीरता से लेते हुए सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। जांच के दौरान पाया गया कि शहर के कई निजी अस्पताल ऐसी इमारतों में चल रहे हैं जहां बड़ी संख्या में मरीज भर्ती हैं, लेकिन आग से बचाव के इंतजाम सिर्फ कागजों तक सीमित हैं। कई स्थानों पर अग्निशमन यंत्र एक्सपायर मिले, जबकि कुछ अस्पतालों में संकरी सीढ़ियां और आपातकालीन निकास की समुचित व्यवस्था नहीं थी। सीएमओ डॉ. रंजन गौतम ने कहा कि यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि सीधे तौर पर लोगों की जिंदगी से जुड़ा मामला है। उन्होंने रजिस्ट्रेशन पटल देख रहे नोडल अधिकारी को तत्काल आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। मीडिया और अन्य माध्यमों से मिली जानकारियों के आधार पर, जिला प्रशासन और फायर विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर एक संयुक्त विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए एक विशेष टास्क फोर्स गठित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। डॉ. गौतम ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जिन अस्पतालों द्वारा तीन दिन के भीतर सही जानकारी उपलब्ध नहीं कराई जाएगी, या 30 जून तक बेसमेंट से अवैध रूप से संचालित

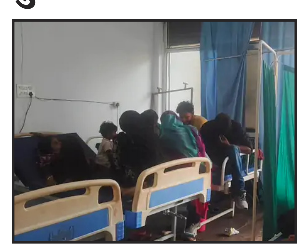

सेवाओं को बंद नहीं किया जाएगा, उनके खिलाफ मौके पर ही कार्रवाई करते हुए पंजीकरण निरस्त कर दिया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने दो टूक कहा कि किसी की लापरवाही के कारण निर्दोष लोगों की जान खतरे में पड़े, यह किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने जोर दिया कि जनता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और मानकों से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

नवीन पुल की जद में आए 10 मकान ध्वस्त

उन्नाव में 28 भवनों पर अभी चलेगी कार्रवाई, नया गंगापुल बनेगा

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के शुक्लागंज क्षेत्र में बन रहे नवीन पुल की जद में आ रहे मकानों को गिराने का अभियान लगातार जारी है। राजस्व विभाग और सेतु निगम की संयुक्त कार्रवाई में अब तक 10 मकानों को पोकलैंड मशीन से ध्वस्त किया जा चुका है। गुरुवार को भी इस अभियान के दौरान तीन मकानों को ढहा दिया गया। अधिकारियों का कहना है कि शेष मकानों को हटाने की कार्रवाई भी जल्द ही पूरी कर ली जाएगी। मिश्रा कॉलोनी इलाके में नवीन पुल निर्माण के चलते कुल 38 मकान प्रभावित हो रहे थे। इन भवन स्वामियों को प्रशासन की ओर से पहले ही मुआवजे के चेक का भुगतान किया जा चुका है। इसके साथ ही मकान खाली करने के लिए नोटिस भी जारी किए गए थे।

राजस्व विभाग की ओर से रविवार से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू

की गई थी। शुरुआत में जेसीबी मशीन से मकानों को तोड़ने का काम कराया गया, लेकिन लगातार दो दिनों तक काम करने के बाद जेसीबी मशीन खराब हो गई। इसके बाद प्रशासन ने पोकलैंड मशीन लगाकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी। गुरुवार सुबह राजस्व विभाग के लेखपाल आशू श्रीवास्तव, फाजिल अंसारी और सेतु निगम के जेई कुंदन की मौजूदगी में तीन मकानों को गिराया गया। अधिकारियों के अनुसार, अब तक कुल 10 मकानों को ध्वस्त किया जा चुका है, जबकि 28 मकान अभी शेष हैं।

भाई की डांट से नाराज किशोरी ने लगाई फांसी

हरदोई में परिजनों ने मौके पर पहुंचकर बचाया, लखनऊ रेफर

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के डाभा गांव में गुरुवार सुबह एक 13 वर्षीय किशोरी ने अपने भाई की डांट से नाराज होकर फंदा लगाने का प्रयास किया। परिजनों की सतर्कता से उसकी जान बचा ली गई, लेकिन गंभीर हालत के कारण उसे प्राथमिक उपचार के बाद लखनऊ रेफर किया गया है। गांव निवासी सुशीला ने बताया कि उनके पति मंगतराम का पांच वर्ष पूर्व बीमारी से निधन हो गया था। वह अपने चार बेटों और तीन बेटियों की परवरिश अकेले कर रही हैं। उनकी तीसरे नंबर की बेटी कालिंद्री (13) ने पांचवीं कक्षा तक पढ़ाई करने के बाद स्कूल छोड़ दिया था और घर

के कामों में हाथ बंटाती है। सुशीला का बड़ा बेटा हीरा कानपुर की एक गुटखा फैक्ट्री में कार्यरत है। हाल ही में मां सुशीला को कालिंद्री की कुछ गतिविधियों के बारे में पता चला था। इस संबंध में उन्होंने कानपुर में रह रहे अपने बड़े बेटे हीरा से बात की। गुरुवार सुबह करीब 9 बजे, भाई हीरा ने फोन पर कालिंद्री को डांटते हुए सुधरने की नसीहत दी। भाई की यह डांट कालिंद्री को इतनी बुरी लगी कि उसने यह कदम उठाया। भाई से फोन पर डांट सुनने के बाद नाराज कालिंद्री कमरे में चली गई और दुपट्टे के सहारे फंदा लगा लिया। इसी दौरान बरामदे में काम कर रही उसकी छोटी बहन सरस्वती को कमरे से कुछ असामान्य आवाजें सुनाई दीं। भीतर जाने पर उसने कालिंद्री को फंदे पर लटका देखा और शोर मचाया। सरस्वती की आवाज सुनकर घर के अन्य सदस्य तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत कालिंद्री को फंदे से नीचे उतारा। उस समय उसकी सांसें चल रही थीं। परिजनों ने तत्काल एम्बुलेंस बुलाई और कालिंद्री को बिलग्राम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले गए।

सड़क हादसे में दो दोस्तों की मौत

देर रात बाइक पेड़ से टकराई, घंटों बाद खाई में मिले शव

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले में एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया है। सिधौली कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार देर रात हुए इस हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, लेकिन उनका पता सुबह करीब 9 बजे चला, जब राहगीरों ने हाईवे किनारे खाई में क्षतिग्रस्त बाइक और दोनों युवकों को देखा। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद दोनों युवक पूरी रात घायल अवस्था में खाई में ही पड़े रहे और समय पर मदद न मिलने के कारण उनकी जान चली गई। घटना सिधौली क्षेत्र के मनिकापुर चौराहे के पास नेशनल हाईवे और रेलवे लाइन के बीच बनी गहरी खाई की है। शुक्रवार सुबह जब कुछ राहगीर वहां से गुजर रहे थे, तभी उनकी नजर खाई में पड़े एक क्षतिग्रस्त मोटरसाइकिल और दो युवकों पर पड़ी। स्थिति संदिग्ध लगने पर तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही सिधौली कोतवाली

पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों युवकों को खाई से बाहर निकाला गया। इसके बाद उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। शवों की पहचान मोबाइल फोन और अन्य दस्तावेजों के आधार पर की गई। मृतकों की पहचान कृष्णा (20 वर्ष), पुत्र रामू, निवासी नारायणपुर (थाना कमलापुर) और करण (22 वर्ष), पुत्र रामसेवक, निवासी लालपुर इटौवा (थाना मछरेहटा) के रूप में हुई है। जैसे ही घटना की सूचना परिजन पहुंचे, वहां कोहराम मच गया। दोनों परिवारों में मातम पसरा हुआ है और गांव में शोक का माहौल है। सिधौली पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

तेज रफ्तार या टक्कर-पुलिस जांच में जुटी

पुलिस की प्रारंभिक जांच में दो संभावनाएं सामने आ रही हैं। पहली यह कि किसी अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मारी हो सकती है। दूसरी संभावना यह है कि बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ या किसी अवरोध से टकरा गई और दोनों युवक खाई में जा गिरे। हालांकि, मौत के असली कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

रात में हुआ हादसा, सुबह सामने आई सच्चाई

प्रत्यक्षदर्शियों और प्रारंभिक जांच के अनुसार, दोनों युवकों की मौत देर रात ही हो चुकी थी। उनके शव अकड़ चुके थे, जिससे यह स्पष्ट होता है कि हादसा कई घंटे पहले हुआ था। अंधेरा, सुनसान सड़क और गहरी खाई होने के कारण रात में किसी को घटना की जानकारी नहीं मिल सकी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह इलाका रात के समय काफी सुनसान रहता है, जहां सड़क किनारे सुरक्षा इंतजाम भी कमजोर हैं। इसी वजह से हादसे के बाद भी किसी की नजर समय रहते उन पर नहीं पड़ पाई।

सतर्कता : लखनऊ अग्निकांड के बाद प्रशासन ने देखी फायर सेफ्टी, एंट्री-एग्जिट गेट देखे

सिनेमाघरों की सुरक्षा जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। लखनऊ में हाल ही में हुए भीषण अग्निकांड के बाद प्रदेशभर में सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है। इसी क्रम में सीतापुर प्रशासन और पुलिस विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आया। बुधवार देर रात करीब 12:30 बजे नगर क्षेत्र में स्थित प्रमुख सिनेमाघरों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों में सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया गया। निरीक्षण अभियान का नेतृत्व क्षेत्राधिकारी नगर कपूर कुमार, उप जिलाधिकारी सदर डॉ. जनार्दन और मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) ने संयुक्त रूप से किया। टीम ने नगर के प्रमुख सिनेमाघरों—मेंराज सिनेमा, एससीएम सिनेमा सहित आसपास के अन्य सार्वजनिक स्थलों का दौरा कर

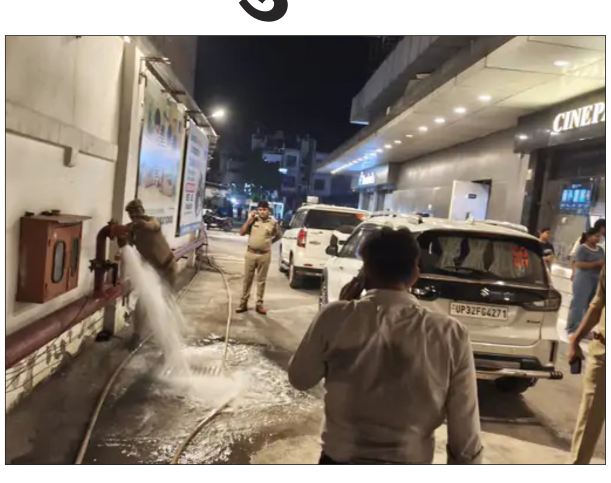

सुरक्षा इंतजामों की बारीकी से जांच की। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने भवनों में लगे फायर अलार्म सिस्टम, अग्निशमन यंत्र (फायर एक्सटिंग्विशर), हाइड्रेंट और अन्य सुरक्षा उपकरणों की कार्यशीलता का परीक्षण किया। इसके साथ ही आपातकालीन निकास द्वारों, प्रवेश-निकास मार्गों और भीड़ प्रबंधन व्यवस्था की भी गहन समीक्षा की गई। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी आपात स्थिति में लोगों को सुरक्षित और तेजी से बाहर निकालने की पूरी व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि निकास मार्ग किसी भी स्थिति में बाधित न हों।

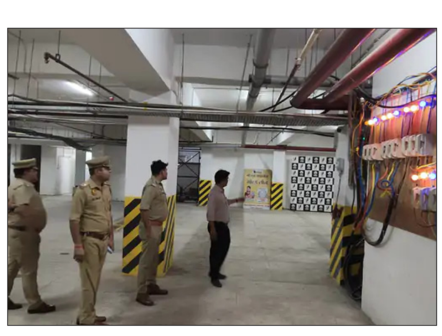

लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सिनेमा हॉल प्रबंधन को सख्त निर्देश दिए कि सभी सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य रूप से किया जाए। साथ ही अग्निशमन उपकरणों का नियमित रखरखाव और समय-समय पर उनकी जांच सुनिश्चित करने को कहा गया। सीएफओ सुभाष सिंह ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी को देखते हुए फायर सेफ्टी नियमों का पालन बेहद जरूरी है। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित संस्थान के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों ने बताया कि लखनऊ की घटना के बाद जिले में किसी भी प्रकार का जोखिम नहीं लिया जा रहा है। इसी वजह से लगातार निरीक्षण अभियान चलाए जा रहे हैं ताकि सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा सके। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में भी ऐसे औचक निरीक्षण जारी रहेंगे और सभी सार्वजनिक भवनों की सुरक्षा जांच की जाएगी, ताकि आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

युवक ने घर में फांसी लगाई

पुलिस ने जताई सुसाइड की आशंका, परिजनों से कारणों को लेकर पूछताछ

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के सोहरामऊ थाना क्षेत्र के बजेहरा गांव में गुरुवार सुबह एक युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान 35 वर्षीय छेदी लाल के रूप में हुई है, जो मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनकी मौत से पत्नी और छह बच्चों पर संकट आ गया है। जानकारी के अनुसार, छेदी लाल पुत्र स्वर्गीय जगदेव अपने परिवार के साथ बजेहरा गांव में रहते थे। गुरुवार सुबह उन्होंने घर के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगा ली। काफी देर तक जब परिजनों को उनकी जानकारी नहीं मिली, तो तलाश शुरू की गई। इस दौरान उन्हें फंदे से लटका हुआ पाया गया। परिजनों ने आनन-फानन में उन्हें फंदे से नीचे उतारा, लेकिन तब तक उनकी

मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और पुलिस को जानकारी दी गई। सोहरामऊ थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवक ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया। आत्महत्या के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है। ग्रामीणों के मुताबिक, छेदी लाल अपने परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी संभालते थे।

उनके परिवार में पत्नी के अलावा तीन बेटियां और तीन बेटे हैं। पिता की अचानक मौत से बच्चों और परिजनों के सामने बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। थानाध्यक्ष अरविंद पांडे ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, परिजनों से पूछताछ कर घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

सम्पादकीय

चढ़ावा चोरी की जांच

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल यानी एसआइटी ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट शासन को सौंप दी। हालांकि हिंदू समाज को चिंतित करने वाले इस मामले की जांच अभी जारी है और एसआइटी की अंतिम रिपोर्ट भी आनी शेष है, लेकिन उसकी प्रतीक्षा किए बिना अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर कुछ न कुछ ऐसी कार्रवाई होनी चाहिए, जिससे लोगों को भरोसा हो कि दोषी बचेंगे नहीं और भविष्य में दान का हिसाब-किताब नीर-क्षीर एवं विश्वसनीय तरीके से होगा।

चढ़ावा चोरी प्रकरण केवल राम मंदिर ट्रस्ट की नाकामी को उजागर करने वाला ही नहीं, बल्कि हिंदू समाज की भावनाओं को आहत करने वाला भी है। यह मामला एक तरह से हिंदू आस्था के साथ छल है। इस छल के लिए जो भी जिम्मेदार हैं, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई होते हुए दिखनी ही चाहिए। इसकी पहल राम मंदिर ट्रस्ट को अपने स्तर पर भी करनी चाहिए, क्योंकि उसकी लापरवाही के चलते लोगों के भरोसे को गहरी चोट पहुंची है।

अयोध्या में राम मंदिर के लिए दान मंदिर निर्माण के पहले से आ रहा है। कायदे से तो पहले ही ऐसी व्यवस्था बना ली जानी चाहिए थी, जिससे दान राशि के प्रबंधन में किसी तरह की गड़बड़ी की गुंजाइश न रहती। यह निराशाजनक है कि यह काम राम मंदिर निर्माण और प्रबंधन के लिए ट्रस्ट के गठन के बाद भी नहीं हो सका।

यह समझना कठिन है कि जब करीब छह वर्ष पहले दान राशि की गणना को लेकर एक आडिट फर्म ने सवाल उठाए थे, तो उसकी अनदेखी क्यों की गई? इस प्रश्न का उत्तर ट्रस्ट के पदाधिकारियों को देना चाहिए। आडिट फर्म ने दान पात्रों के हिसाब-किताब में खामियों को दूर करने के लिए एक निश्चित मानक संचालन प्रक्रिया बनाने को कहा था। हिंदू समाज को यह बताया जाना चाहिए कि ऐसा क्यों नहीं किया गया? एसआइटी ने भी जिस तरह दान राशि का साप्ताहिक आडिट कराने का सुझाव दिया, उससे यही पता चलता है कि यह एक ऐसा बुनियादी काम था, जो पहले दिन से किया जाना चाहिए था। ट्रस्ट की गलती केवल इतनी ही नहीं कि उसने दान राशि का प्रबंधन उचित तरीके से करने की ठोस व्यवस्था नहीं की। इसे भी उसकी गलती कहा जाएगा कि चढ़ावा चोरी प्रकरण पर उसने तत्काल प्रभाव से एफआइआर दर्ज कराने की जरूरत नहीं समझी। कम से कम अब तो यह काम किया ही जाना चाहिए। वैसे भी एसआइटी ने इसकी सिफारिश कर दी है। यह पहली बार नहीं, जब किसी मंदिर की दान राशि में गड़बड़ी का मामला सामने आया हो। ऐसा ही कुछ और मंदिरों के मामले में सामने आ चुका है। इन स्थितियों में सभी मंदिरों को दान राशि के प्रबंधन के लिए एक ऐसी प्रक्रिया अपनाने के लिए बाध्य किया जाना चाहिए, जिसमें किसी तरह की खामी और खराबी न हो।

शान्ति की प्राप्ति

हर आदमी के जीवन में कुछ न कुछ अपेक्षाएँ होती ही हैं। जीवन-यापन व व्यवहार निभाने के लिए कुछ आवश्यक होती हैं तो कुछ अनावश्यक पाल ली जाती हैं । कहते हैं शान्ति ह्रदय की स्वाभाविक स्थिति है । चार समाधियां बताई गईं हैं- विनय समाधि, श्रुत समाधि, तप समाधि और आचार समाधि । ये चार चीजें ऐसी हैं , जिनके आसेवन से समाधि प्राप्त हो सकती हैं । चित्त में निर्मलता और शांति की संप्राप्ति हो सकती हैं, विकास हो सकता हैं । व्यक्ति अहंकार से बचें और विनय भाव रखें तो चित्त में शांति, समाधि और प्रफुल्लता रह सकती हैं । हम भौतिक प्रगति के साथ साथ भूलते जा रहें है कि भौतिकता में नहीं आध्यात्मिकता में सुख शांति और चैन हैं। आध्यात्मिकता के अभाव में अमीर-गरीब, राजा- रंक आदि सबका जीवन किसी न किसी समस्या के चलते बेचैन रहता है। शांति, अमन, चैन दूर की कौड़ी ही बनी रहती है । हम भूलते जा रहें हैं कि शांति की प्राप्ति के लिए हमारा नजरिया हमको बदलना होगा। वह समझना होगा, स्वीकारना होगा । भौतिकता नहीं आध्यात्मिकता ही हमारे स्थायी शांति का जरिया हो सकता है । वह जब तक हमारा नजरिया नहीं बदलेगा तब तक सांसारिक कष्टों को हम दुःख समझते रहेंगे और भौतिक सम्पन्नता, आदर, सम्मान आदि को सुख मानते रहेंगे । पर ये दोनों ही सुख दुःख की मात्र भ्रान्ति हैं । हम यह भूले बैठे रहेंगे कि हमारे अंतर में ही वास्तविक स्थायी शांति है । यह अंतर ज्ञान होते ही एक अद्भुत क्रान्ति घटित होने लगेगी। व्यक्ति के जीवन में , भाषा में , विचार में और शारीरिक मुद्रा आदि में घमंड नहीं आना चाहिए । घमंड का विचार करना , भाषा में अभिव्यक्त करना और शारीरिक मुद्रा में भी घमंड आना , अहंकार ही होता हैं । घमंड का संबंध भीतर के भावों से होता हैं । भीतर में जैसे भाव होते है तदनुसार अभिव्यक्ति होती हैं ।

> प्रदीप छाजेड़

नशे से बर्बाद होते जीवन को बचाना होगा

बीते कुछ दशकों में वैश्विक मादक पदार्थ बाजार का स्वरूप तेजी से बदला है। परंपरागत नशीले पदार्थों- अफीम, हेरोइन, गांजा, चरस और कोकीन के साथ-साथ अब सिंथेटिक ड्रग्स, फेंटानिल, मेथामफेटामाइन और विभिन्न रासायनिक नशीले पदार्थों का प्रचलन तेजी से बढ़ा है।

नशीली दवाओं का बढ़ता प्रचलन आज विश्व मानवता के सामने एक ऐसे संकट के रूप में उभर रहा है, जो केवल स्वास्थ्य की समस्या नहीं है, बल्कि सामाजिक, आर्थिक, पारिवारिक और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर वैश्विक प्रश्न बन चुका है। नशीली दवाओं का दुरुपयोग और अवैध तस्करी लाखों लोगों के जीवन को अंधकार में धकेल रही है। विशेष रूप से युवा पीढ़ी इसका सबसे बड़ा शिकार बन रही है। यही कारण है कि प्रतिवर्ष 26 जून को नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है, ताकि विश्व समुदाय इस चुनौती के प्रति जागरूक हो, सामूहिक प्रयासों को सशक्त बनाए और एक नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हो। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 7 दिसंबर 1987 को संकल्प संख्या 42/112 के माध्यम से इस दिवस को मनाने की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य मादक पदार्थों के दुरुपयोग से मुक्त अंतर्राष्ट्रीय समाज के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वैश्विक सहयोग और कार्रवाई को मजबूत करना है। इस दिवस के माध्यम से यह संदेश दिया जाता है कि नशीली दवाओं की समस्या का समाधान केवल दंडात्मक उपायों से नहीं, बल्कि जनजागृति, सामाजिक-पारिवारिक रोकथाम, उपचार, पुनर्वास और सामाजिक सहयोग से संभव है। संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) ने वर्ष 2026 के लिए इस दिवस की थीम निर्धारित की है- ''विश्वव्यापी नशीली दवाओं की समस्याः स्थायी मुद्दे, नई चुनौतियां, अभिनव समाधान''। यह थीम इस तथ्य को रेखांकित करती है कि नशे की गिरफ्त में आए व्यक्ति को अपराधी नहीं, बल्कि सहायता और उपचार की आवश्यकता वाले व्यक्ति के रूप में देखा जाना चाहिए। समाज, परिवार, सरकार और स्वास्थ्य संस्थाओं के समन्वित प्रयास ही उसे पुनः सामान्य जीवन की ओर लौटा सकते हैं। विश्व मादक पदार्थ रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर नशीली दवाओं के उपयोग में निरंतर वृद्धि हो रही है। अनुमानतः विश्वभर में 30 करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी प्रकार के मादक पदार्थों का सेवन कर रहे हैं। इनमें से करोड़ों लोग नशे की लत के कारण गंभीर शारीरिक एवं मानसिक रोगों से पीड़ित हैं, लेकिन उपचार सुविधाओं तक उनकी पहुंच अत्यंत सीमित है। मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकारों से पीड़ित प्रत्येक आठ व्यक्तियों में से केवल एक को ही उपचार प्राप्त हो पाता है। यह स्थिति विश्व स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर चुनौती को उजागर करती है।

कृत्रिम नशीले पदार्थों के उत्पादन में कम लागत, तस्करी में कम जोखिम और अत्यधिक मुनाफे ने अवैध मादक पदार्थ उद्योग को और अधिक संगठित तथा खतरनाक बना दिया है। आज मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह आधुनिक तकनीक, डार्क वेब, क्रिप्टोकरेंसी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग कर नए उपभोक्ताओं, विशेषकर युवाओं और किशोरों, को अपना लक्ष्य बना रहे हैं। ऑनलाइन नेटवर्क और गुप्त डिजिटल लेन-देन ने नशीली दवाओं की उपलब्धता को पहले की अपेक्षा कहीं अधिक आसान बना दिया है। संगठित अपराध और मादक पदार्थों का यह गठजोड़ विश्व शांति और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन गया है।

नशीली दवाओं का दुरुपयोग मानव शरीर की लगभग प्रत्येक प्रणाली को प्रभावित करता है। हृदय, यकृत, फेफड़े, मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र पर इसका विनाशकारी प्रभाव पड़ता है। दीर्घकालिक सेवन व्यक्ति को अवसाद, मानसिक असंतुलन, आत्महत्या की प्रवृत्ति, स्मृति ह्रास और व्यक्तित्व विघटन की ओर ले जाता है। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार अफीम, हेरोइन, स्मैक, कोकीन और सिंथेटिक ड्रग्स का निरंतर सेवन व्यक्ति को मानसिक रूप से अक्षम बना सकता है। नशे का दुष्प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। इसके कारण परिवार टूटते हैं, घरेलू हिंसा बढ़ती है, बेरोजगारी और आर्थिक संकट गहराते हैं तथा अपराध और सामाजिक असुरक्षा को बढ़ावा मिलता है। अनेक शोधों में यह तथ्य सामने आया है कि चोरी, हिंसा, तस्करी, यौन अपराध और संगठित अपराधों का एक बड़ा हिस्सा मादक पदार्थों से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़ा हुआ है। भारत भी इस वैश्विक संकट से अछूता नहीं है। भौगोलिक स्थिति, सीमावर्ती चुनौतियां, बढ़ती शहरीकरण प्रक्रिया और युवाओं में बदलती जीवनशैली के कारण देश में नशीली दवाओं का दुरुपयोग चिंताजनक स्तर तक पहुंच चुका है। विशेष रूप से पंजाब, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, उत्तर-पूर्वी राज्यों तथा महानगरों में यह समस्या गंभीर रूप धारण कर चुकी है। भारत की पश्चिमी सीमा के निकट स्थित तथाकथित 'गोल्डन क्रिसेंट'-अफगानिस्तान, पाकिस्तान और ईरान विश्व के प्रमुख अफीम उत्पादक क्षेत्रों में शामिल है, जिसके कारण सीमावर्ती राज्यों में तस्करी की समस्या अधिक जटिल हो गई है। पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी और नशे की समस्या से जूझ रहा है। सीमा पार से ड्रोन और अन्य माध्यमों से होने वाली तस्करी ने स्थिति को और चुनौतीपूर्ण बना दिया है। पाकिस्तान ने भारत में आतंकवाद की ही तरह नशे एवं ड्रग्स को व्यापक स्तर पर फैलाया है, जिसका उद्देश्य युवाओं को कमजोर और सामाजिक संरचना को क्षतिग्रस्त करना है। यह केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी प्रश्न है। जिसके दुष्परिणाम विशेषतः पंजाब के साथ-साथ समूचे देश को भोगने को विवश होना पड़ रहा है। पंजाब नशे की अंधी गलियों में धंसता जा रहा है, सीमा पार से शुरू किए गए इस छद्म युद्ध की कीमत पंजाब की जनता को चुकानी पड रही है, देर आये दुरस्त आये की भांति लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के धंधे के खिलाफ आप सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध एवं अभियान शुरू किया है। पंजाब देश में ड्रग्स में सर्वाधिक संलिप्त राज्यों में आता है। यह डाटा गतदिनों गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में 'मादक पदार्थों की तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा' पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में सामने आया। भारत सरकार ने नशे के विरुद्ध अनेक पहलें शुरू की हैं। 'नशा मुक्त भारत अभियान' देश के 272 से अधिक संवेदनशील जिलों में व्यापक जनजागरण, शिक्षा और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से तस्करी के नेटवर्क पर कार्रवाई की जा रही है। स्कूलों, कॉलेजों, पंचायतों और सामाजिक संगठनों की भागीदारी से भी नशे के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। फिर भी यह स्पष्ट है कि केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं।

- ललित गर्ग

चिार करें तो हमारे ...

डॉ. नीरज भारद्वाज

पर्यावरण चिंतन 'एक पेड़ माँ के नाम'

साहित्यकार का दायित्वबोध बहुत व्यापक होता है। साहित्यकार अपनी कलम से अपने समय का वर्णन शब्दमाला के माध्यम से करता है। साहित्यकार का एक-एक शब्द वर्तमान पीढ़ी और आने वाली पीढियों के लिए आदर्श और मार्गदर्शक का काम करता है। साहित्यकार अपने समय की शिक्षा, समाज, पर्यावरण आदि सभी को समाहित करके लिखने का प्रयास करता है। वह अग्नि, भूमि, जल, नभ, वायु पांच तत्वों के शुद्धीकरण की बात सोचता है, उसका चिंतन-मनन करता है। अपने साहित्य में उसको स्थान देता है। पंच तत्व से बना यह मानव शरीर भी इन सभी तत्वों की शुद्धि के साथ ही शांत,पावन, पवित्र रह सकता है। इनमें से किसी की भी अशुद्धता बढ़ जाती है तो पूरा संतुलन बिगड़ जाता है।अथर्ववेद (भूमि सूक्त) में लिखा है कि माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः अर्थातयह भूमि मेरी माता है और मैं इस पृथ्वी का पुत्र हूँ। दूसरे शब्दों में कहें कि मनुष्य और प्रकृति के बीच के अटूट, भावनात्मक और जैविक रिश्ते है। जैसे एक बच्चा अपनी माँ से जुड़ा होता है, वैसे ही हर एक मनुष्य का कर्तव्य इस धरती के प्रति है। इसे किसी भी प्रकार के प्रदूषण से बचाए रखना हमारा कर्तव्य है।

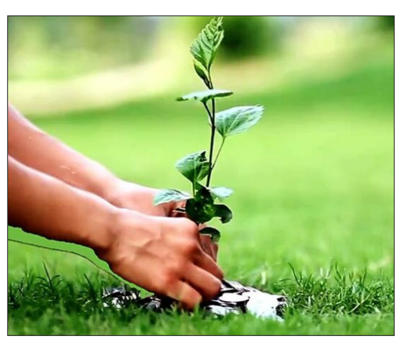

हमारी ज्ञान परंपरा में हमारे संतो ने भगवान की कथाके माध्यम से हमें बताते हुए प्रकृति, पर्यावरण के बारे में पूरा ज्ञान दिया है। विचार करें तो हमारे देवी-देवता, साधु-संत, महात्मा-तपस्वी आदि सभी पर्वतों, पवित्र नदियों, पूज्य वृक्षों के नीचे बैठकर साधना करते रहे हैं। गीता के अध्याय दस के 26वें श्लोक में भगवान कहते हैं कि, अश्वत्थः सर्ववृक्षाणां देवर्षीणां च नारदः। अर्थातसमस्त वृक्षों में मैं पीपल का वृक्ष हूँ, देवर्षियों में नारद मुनि। विचार करें तो भगवान प्रकृति के कण-कण में व्याप्त हैं। हमारे ऋषियों-मुनियों ने आयुर्वेद में प्रकृति के हर एक वृक्ष की जड़ से लेकर पत्ते तक के हर एक अंग पर शोधपरक कार्य किया है। किस से कौन सी औषधियाँ बनती है, कहां-कहां काम आती है, बताया समझाया है। दूसरी ओर विचार करें तो हमारे देवी-देवताओं की पूजा के समय भी हमें अलग-अलग वृक्षों के पत्तों की जरूरत होती है। हमारी ज्ञान परंपरा, पूजा पद्धति, भक्ति साधना आदि में भी वृक्षों का बड़ा महत्व है। 'एक पेड़ माँ के नाम' पुस्तक के रचयिता डॉ. वेदप्रकाश वत्स जी वर्तमान साहित्य चिंतन का बड़ा नाम है। आपने इस पुस्तक में भारतीय ज्ञान परंपरा के स्रोतों से बात को शुरू किया है। वृक्षों का महत्व देवी-देवताओं, वेदों आदि से शुरू कर वर्तमान सामाजिक स्थिति तक अलग-अलग अध्यायों में बताने और समझने का प्रयास किया है। पुस्तक का सबसे बड़ा सफल पक्ष यह है कि डॉ. वेदप्रकाश जी भारतीय ज्ञान परंपरा से सीधे जुड़े हुए हैं। वर्तमान के संतों का आशीर्वाद आपको मिलता रहा है। बाबा केदारनाथ, श्री बदरी विशाल से लेकर कन्याकुमारी तक के तीर्थों के दर्शन किए हैं और ऐतिहासिक स्थलों को देखने-समझने का अवसर मिला है। आप ऋषिकेश, हरिद्वार, मथुरा, वृंदावन, प्रयागराज, चित्रकूट, गंगासागर आदि तीर्थों का भ्रमण कर पवित्र नदियों पर चिंतन करके लिखते रहते हैं।आपने इन नदियों के किनारे लगे वृक्षों को भी देखा-समझा है। समयानुसार समाचारपत्रों में आपने नदियों, वृक्षों आदि पर लेख भी लिखे हैं। पुस्तक के लेखकीय में लिखा है कि, किसी भी विषय पर लिखने के कुछ कारण अथवा निहितार्थ होते हैं। एक पेड़ माँ के नाम यह पुस्तक प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं स्वामी चिदानंद सरस्वती जी जैसे संतों के उस विचार, प्रयास एवं संकल्प से प्रेरित है जिसमें प्रकृति-पर्यावरण की चिंता है। उस चिंता से आगे बढ़ते हुए प्रकृति-पर्यावरण के संरक्षण-संवर्धन एवं प्रदूषण से मुक्ति हेतु धरातल पर निरंतर प्रयास हैं और इन प्रयासों की उत्तरोत्तर वृद्धि हेतु जन भागीदारी का आवाह्न है। आपने अपनी साहित्यिक लंबी यात्रा के साथ इस पुस्तक की यात्रा को लिखने का प्रयास किया है। यह पुस्तक शोधपरक है, इसका एक-एक शब्द व्यक्ति को सोचने-समझने को आतुर करता है। 'एक पेड़ मां के नाम' यह मंत्र देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने दिया। इसमें पांच शब्द हैं, यह पांच शब्द ही वास्तविक मंत्र हैं। पंच तत्व से शरीर बना है और पंचतत्व से ही प्रकृति है। इन पांच शब्दों को लेकर एक पुस्तक का निर्माण करना, उसके बारे में चिंतन-मनन करना, उसकी व्यापकता तथा समाज में उपयोगिता को समझना एक साहित्यकार का दायित्वबोध है। पुस्तक के पाँचवें अध्याय में मन की बात में पर्यावरण चिंतन को लिया गया है। आपने रेडियो पर प्रसारित यशस्वी प्रधानमंत्री जी की मन की बात के अलग-अलग प्रसारणों में प्रकृति चिंतन को बताने-समझाने का प्रयास किया है।पुस्तक में आपका साहित्य चिंतन एक-एक शब्द पर चला है। पंच तत्व की बात पहले अध्याय से लेकर पुस्तक के अंत तक बराबर चलती रही है।

भारत की ...

सचिन त्रिपाठी

नवाचार का नया औजार ड्रोन

साल 2020 के बाद भारत में जिस तकनीक ने सबसे तेजी से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है उसमें ड्रोन प्रमुख है। कभी सेना और सुरक्षा एजेंसियों तक सीमित रहने वाली यह तकनीक आज खेतों, गांवों, शहरों, अस्पतालों, निर्माण स्थलों और सरकारी कार्यालयों तक पहुंच चुकी है। ड्रोन अब केवल उड़ने वाला कैमरा नहीं, बल्कि विकास, सुशासन, उत्पादकता और नवाचार का नया औजार बन चुका है। भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। ऐसे समय में ड्रोन तकनीक देश के विकास को नई गति देने वाली शक्ति के रूप में उभर रही है। यह तकनीक न केवल समय और लागत बचा रही है बल्कि उन क्षेत्रों तक पहुंच बना रही है जहां पारंपरिक व्यवस्थाएं अक्सर सीमित साबित होती थीं। भारत सरकार ने 2021 में ड्रोन नियमों को सरल बनाकर इस क्षेत्र के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोले। इसका असर यह हुआ कि देश में ड्रोन स्टार्टअप्स और निर्माण इकाइयों की संख्या तेजी से बढ़ी। वर्तमान में देश में 400 से अधिक ड्रोन स्टार्टअप सक्रिय हैं। उद्योग विशेषज्ञों का अनुमान है कि वर्ष 2030 तक भारत का ड्रोन उद्योग 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक का बाजार बन सकता है। इसके साथ ही लगभग 5 लाख नए रोजगार सृजित होने की संभावना है। ड्रोन पायलट, डेटा एनालिस्ट, सर्वे विशेषज्ञ, GIS तकनीशियन और सॉफ्टवेयर इंजीनियर जैसे नए पेशे तेजी से उभर रहे हैं। दरअसल, ड्रोन केवल तकनीक नहीं है बल्कि यह एक संपूर्ण इकोसिस्टम है जो निर्माण, सॉफ्टवेयर, डेटा प्रोसेसिंग और सेवा क्षेत्र को एक साथ जोड़ता है।

भारत की लगभग 46 प्रतिशत कार्यशील आबादी कृषि पर निर्भर है। ऐसे में यदि किसी तकनीक का सबसे अधिक प्रभाव दिख रहा है तो वह कृषि क्षेत्र है। ड्रोन की मदद से खेतों में कीटनाशकों और उर्वरकों का छिड़काव तेजी से किया जा रहा है। कृषि मंत्रालय और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के परीक्षण बताते हैं कि ड्रोन के माध्यम से छिड़काव करने पर 75 से 90 प्रतिशत तक समय की बचत होती है। पानी की खपत 30 से 40 प्रतिशत तक कम होती है जबकि रसायनों का उपयोग भी 20 से 30 प्रतिशत तक घट जाता है। एक सामान्य कृषि ड्रोन मात्र 15 से 20 मिनट में लगभग 10 एकड़ क्षेत्र में छिड़काव कर सकता है। यही काम पारंपरिक तरीके से करने में कई घंटे लगते हैं। इसके अलावा मल्टीस्पेक्ट्रल कैमरों से लैस ड्रोन किसानों को यह भी बताते हैं कि खेत के किस हिस्से में नमी कम है, कहां पौधे बीमार हैं और किस क्षेत्र में अतिरिक्त पोषण की जरूरत है। यानी खेती अब अनुभव आधारित नहीं बल्कि डेटा आधारित होती जा रही है।

ड्रोन तकनीक ने राजस्व और भूमि प्रबंधन व्यवस्था में भी बड़ा बदलाव किया है। केंद्र सरकार की स्वामित्व योजना के तहत देश के 3.18 लाख से अधिक गांवों का ड्रोन सर्वेक्षण पूरा किया जा चुका है। इसके आधार पर 2 करोड़ से अधिक संपत्ति कार्ड जारी किए गए हैं।

जरा हटके

प्रदेश के यशस्वी...

निधि वर्मा, सूचना अधिकारी

भेड़, बकरी एवं सूकर पालन को बढ़ावा देने के लिए सरकार दे रही 90 प्रतिशत तक अनुदान

प्रदेश में लघु पशुपालन क्षेत्र जैसे भेड़, बकरी एवं सूकर पालन को वैज्ञानिक, संगठित एवं लाभकारी व्यवसाय के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए उत्तर प्रदेश में पहली बार आयोजित दो दिवसीय 'यू.पी. स्मॉल लाइवस्टॉक कॉन्क्लेव-2026' का आयोजन हुआ।

प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार पशुधन क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा गोवंश संरक्षण के साथ-साथ लघु पशुधन क्षेत्र के विकास को भी विशेष प्राथमिकता दे रही है। लघु पशुपालन को रोजगार, पोषण और ग्रामीण समृद्धि के सशक्त साधन के रूप में स्थापित करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। लघु पशुपालन क्षेत्र में निवेश करने के लिए वर्तमान में सुदृढ़ कानून व्यवस्था और उत्तम कनेक्टिविटी से पंूजी निवेश का सर्वाधिक अनुकूल अवसर और समय है। उत्तर प्रदेश मंे पहली बार दो दिवसीय 'यू.पी. स्मॉल लाइवस्टॉक कॉन्क्लेव-2026' का आयोजन हुआ, जिसमें लघु पशुधन क्षेत्र से जुड़े सभी हितधारकों को एक साझा मंच उपलब्ध कराया गया, जहां नवीन तकनीकों, वैज्ञानिक अनुसंधानों, मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण, विपणन, निवेश तथा उद्यमिता विकास से जुड़े विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। इससे प्रदेश में लघु पशुधन आधारित उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा तथा रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। यह कॉन्क्लेव

प्रदेश में लघु पशुधन क्षेत्र के विकास को नई दिशा प्रदान करेगा तथा भेड़, बकरी एवं सूकर पालन को अधिक वैज्ञानिक, व्यावसायिक एवं लाभकारी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। देशभर से आए वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों, पशुपालकों और उद्यमियों द्वारा दिये गये सुझाव प्रदेश में लघु पशुधन विकास के नए आयाम स्थापित करेंगे। उत्तर प्रदेश जैव विविधता से समृद्ध देश का सर्वाधिक पशुधन संपन्न राज्य है। 20वीं पशुगणना के अनुसार प्रदेश में लगभग 144.80 लाख बकरियां, 9.85 लाख भेड़ें तथा 4.09 लाख सूकर हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था, पोषण सुरक्षा तथा किसानों की अतिरिक्त आय सुनिश्चित करने में लघु पशुधन की महत्वपूर्ण भूमिका है।

प्रदेश के पशुधन विभाग द्वारा लघु पशुधन पशुपालकों के विकास हेतु बकरी पालन की योजना संचालित है, जिसकी प्रति इकाई लागत रू0 60,000 है, जो कि 90 प्रतिशत अनुदानित है। वर्ष 2025-26 में कुल 1786 इकाईयां स्थापित की गयी तथा वर्ष 2026-27 में बकरी पालन की योजनान्तर्गत 1896 इकाईयों का लक्ष्य प्रस्तावित है। इसी प्रकार भेड़ पालन की योजना वर्ष 2025-26 में 224 इकाईयां स्थापित की गई है। इसमें प्रति इकाई लागत 1,70,000 रूपये है जो कि 90 प्रतिशत अनुदानित है। वर्ष 2026-27 हेतु 225 भेड़ पालन इकाईयांे का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश में सूकर विकास हेतु सूकर पालन की योजना भी संचालित है, जिसमें वर्ष 2025-26 मंे 218 इकाईयांे स्थापित की गई हैं। इसमें से एक इकाई लागत 1,47,400 रूपये है, यह भी 90 प्रतिशत अनुदानित है। वर्ष 2026-27 हेतु 218 सूकर पालन इकाईयों का लक्ष्य रखा गया है।

प्रदेश में लघु पशुपालन ग्रामीण महिलाओं, छोटे एवं सीमांत किसानों तथा युवाओं के आर्थिक सशक्तीकरण का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। भेड़, बकरी एवं सूकर पालन अपेक्षाकृत कम लागत में बेहतर आय प्रदान करने वाले व्यवसाय हैं, जिनके माध्यम से ग्रामीण परिवारों की आजीविका को मजबूती मिल रही है। प्रदेश सरकार लघु पशुधन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन, वित्तीय सहायता एवं विपणन सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दे रही है।

प्रदेश में पशुपालन एवं लघु पशुधन क्षेत्र के सतत विकास, किसानों की आय वृद्धि तथा ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ीकरण के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश के पशुपालन विभाग एवं ग्लोबल फोरम फॉर सस्टेनेबल ट्रांसफॉर्मेशन (ळथ्ैज्) और पशुपालन विभाग एवं द गोट ट्रस्ट (ज्ीम ळवंज ज्तनेज) के साथ अलग-अलग समझौता ज्ञापनों (डवन्) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इन समझौतों के तहत विभाग को नीतिगत एवं तकनीकी सहयोग, क्षमता संवर्धन, प्रशिक्षण, नस्ल सुधार, पशु स्वास्थ्य प्रबंधन, नवाचार आधारित समाधान तथा बकरी पालन एवं पशुधन विकास से संबंधित कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन में सहयोग प्राप्त होगा।

'यू.पी. स्मॉल लाइवस्टॉक कॉन्क्लेव-2026' वैज्ञानिकों, उद्यमियों और पशुपालकों के बीच ज्ञान एवं अनुभवों के आदान-प्रदान का प्रभावी मंच सिद्ध हुआ है, इसमें प्रदेश में लघु पशुधन आधारित उद्यमिता को नई गति मिलेगी। प्रदेश में श्वेत क्रान्ति, ब्लू क्रान्ति और पिंक क्रान्ति के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिल रही है। लघु पशुधन आधारित उद्यम से पशुपालकों की आय में वृद्धि उत्पादकों की गुणवत्ता व विपणन को आधुनिक व सुगम बनाया जा रहा है, जो प्रदेश की आय में वृद्धि कर वन ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य को प्राप्त करने में अपना योगदान प्रदान करेंगे।

जिंदा देख मां लिपटकर रोई, गाजियाबाद में मिली लाश का घरवालों ने किया था अंतिम संस्कार

तेरहवीं के एक दिन बाद घर पहुंचा बेटा

पूछताछ

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में अपनी तेरहवीं के अगले ही दिन गुरुवार सुबह 5 बजे एक युवक घर लौट आया। उसने घर का दरवाजा खटखटाया, तो बेटे को सामने देखकर मां ने उसे गले लगा लिया। फिर मां फूट-फूटकर रोने लगी। कहने लगी- बेटा, कहां थे? हम लोगों ने तो तुम्हारी तेरहवीं भी कर दी। घरवालों ने उससे करीब एक महीने तक लापता रहने के बारे में पूछा। लेकिन, लेकिन मानसिक रूप से अस्वस्थ होने की वजह से वह कुछ भी बता नहीं सका। पुलिस के मुताबिक, 16 मई को स्थानीय दुकानदारों से झगड़े के बाद युवक को शांति भंग के आरोप में जेल भेजा गया था। तब से उसका कुछ पता नहीं पाया था। मामला कौशांबी थाना क्षेत्र का है। वैशाली स्थित कल्पना अपार्टमेंट में गिरधर सिंह बिष्ट अपनी मां के साथ रहते हैं। पिता की पहले ही मौत हो चुकी है।

गिरधर घर पहुंचा तो सूचना पर पुलिस भी पूछताछ कर वीडियो बनाने लगी।

जमानत के बाद भी घर नहीं पहुंचे

21 मई को गिरधर को कोर्ट से जमानत मिल गई। उसी शाम डासना जेल से उनकी रिहाई भी हो गई, लेकिन वह घर नहीं पहुंचे। घरवालों के अनुसार, उन्हें लेने के लिए परिवार का कोई सदस्य जेल नहीं गया था। काफी तलाश के बाद भी उनका कोई पता नहीं चला, तो गुमशुदगी दर्ज कराई गई। इसी बीच, 13 जून को मसूरी थाना क्षेत्र में गंग नहर से एक अज्ञात शव मिला था। पुलिस ने पहचान के लिए घरवालों को बुलाया। परिवार ने शव की पहचान गिरधर के रूप में कर दी। इसके बाद घरवाले और आसपास के लोग कौशांबी थाने पहुंच गए। उन्होंने पुलिस और जेल प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाते हुए विरोध प्रदर्शन किया था। सूचना मिलने पर इंदिरापुरम एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव मौके पर पहुंचे और निष्पक्ष जांच का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया था।

एसएचओ बोले- युवक की मानसिक स्थिति ठीक नहीं

मसूरी थाना प्रभारी हरेंद्र मलिक ने बताया कि युवक से पूछताछ की जा रही है। उसकी मानसिक स्थिति सामान्य नहीं लग रही। वह कभी खुद को इंटेलिजेंस अधिकारी बताता है, तो कभी किसी वीआईपी का नाम लेकर अपनी पहचान बताने लगता है। उन्होंने बताया कि जिस शव की पहचान परिजनों ने गिरधर के रूप में की थी, उसकी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का कारण डूबना पाया गया था। अब पूरे मामले की दोबारा जांच की जाएगी।

घरवालों के मुताबिक, गिरधर मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं, जिसकी वजह से उनकी शादी भी नहीं हुई है। 16 मई को किसी बात को लेकर उनका आसपास के दुकानदारों से विवाद हो गया था। हंगामे के बाद पुलिस ने उन्हें शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पोस्टमॉर्टम के बाद पुलिस ने शव घरवालों को सौंप दिया था। परिवार ने उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया था। 24 जून को तेरहवीं कर ही। इसमें रिश्तेदार और मोहल्लेवाले भी शामिल हुए। लेकिन, 25 जून की सुबह करीब 5 बजे गिरधर अचानक घर लौट आया।

24 जून को गिरधर की तेरहवीं थी। इसके लिए घरवालों ने लोगों को शोक संदेश भी भेजा था।

मां बोलीं- जिसकी तेरहवीं की, वह कौन था?

गिरधर की मां ने बताया- मेरे पति की पहले ही मौत हो चुकी है। मुझे भी कैंसर है। आज सुबह बेटा घर लौटा, तो हम सभी हैरान रह गए। कल ही उसकी तेरहवीं की थी। बेटे के लौटने की खुशी है। लेकिन अब यह सवाल परेशान कर रहा है कि जिसका अंतिम संस्कार किया गया, वह कौन था।

गर्भवती पत्नी की पानी की बाल्टी में डूबो-डूबोकर हत्या

चाचा को कॉल कर पति बोला-मैंने मर्डर कर दिया, आगे देख लेना

तमसा संकेत, एजेंसी

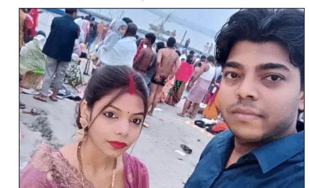

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में एक युवक पर अपनी 6 महीने की गर्भवती पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। पहले पत्नी के साथ मारपीट की और फिर पानी से भरी बाल्टी में उसका सिर डूबोकर मौत के घाट उतार दिया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी ने अपने चाचा को कॉल की। इसमें उसने कहा- मैंने अपनी पत्नी की हत्या कर दी है, अब आगे जो करना है, वो देख लो। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस, क्राइम ब्रांच और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मृतका की पहचान नेहा कुमारी पत्नी अमित गुप्ता निवासी पंचशील कॉलोनी पार्ट-2, पल्ला थाना क्षेत्र के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार, दोनों की शादी 30 अप्रैल 2025 को हुई थी। दोनों ने एक माह पहले ही पंचशील कॉलोनी के इस मकान में गृह प्रवेश किया था। नेहा मूल रूप से बिहार के मुजफ्फरपुर, जबकि उसका पति अमित उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले का निवासी है। अमित फरीदाबाद में एक निजी कंपनी में काम करता था। फिलहा, पुलिस मामले की जांच कर रही है। परिजनों के अनुसार, बुधवार की सुबह नेहा अपने पति को नियमित रूप से काम पर जाने के लिए कह रही थी, लेकिन वह काम पर नहीं जा रहा था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच बहस शुरू हुई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि अमित ने गुस्से में आकर नेहा के साथ मारपीट शुरू कर दी।

फास्ट न्यूज़

एके-47 गैंग पर कार्रवाई

गोरखपुर। गोरखपुर में सोशल मीडिया पर एके-47 ग्रुप बनाकर आक्रामक मैसेज और फोटो डालने वाले यूजर पर कैंपियरगंज पुलिस ने कार्रवाई की है। सोशल मीडिया की निगरानी कर रही पुलिस ने 2 दिन में 13 युवकों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ एफआई-आर दर्ज कराई है। इनके खिलाफ लगातार शिकायत मिल रही थी। कैंपियरगंज पुलिस ने 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

महिला सिपाही ने कोतवाली में कॉन्स्टेबल को किया किस

जालौन। जालौन के एसपी विनय कुमार सिंह ने गुरुवार को उरई कोतवाली में तैनात सिपाही अरविंद पटेल को सस्पेंड कर दिया। अरविंद का कसूर सिर्फ इतना था कि बुधवार रात उन्हें एक महिला सिपाही ने किस कर लिया। महिला सिपाही के साथ अरविंद का अफेयर है।

दोनों साथ काम करते हैं। दोनों के बीच के ये निजी पल कंट्रोल रूम में लगे सीसीटीवी में कैद हो गए। जिसमें महिला सिपाही कुर्सी पर बैठे अरविंद को किस करती नजर आ रही है। अरविंद कुर्सी से उठकर महिला सिपाही से दूरी बनाने की कोशिश भी करता दिखा।

कौशांबी में डंपर की टोचिंग कर रहा ट्रैक्टर पलटा

कौशांबी। कौशांबी में गुरुवार को हुए एक सड़क हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई। अटसरॉय गांव के पास हाईवे की सर्विस लेन पर डंपर की टोचिंग कर रहा ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया और डंपर के नीचे दब गया। हादसे में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया था। घटना सैनी कोतवाली क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, घटना गुरुवार दोपहर करीब एक बजे की है।

सुल्तागंज पुलिया से मुगल रोड तक अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

नगर निगम ने ध्वस्त किए टिनशेड, दुकानदारों में मचा हड़कंप

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में गुरुवार को सुल्तागंज पुलिया से मुगल रोड तक नगर निगम ने अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। सड़क और फुटपाथों पर किए गए अतिक्रमण को हटवाया। कार्रवाई के दौरान दुकानों के आगे अवैध रूप से निकाले गए दर्जनों टिनशेड, छज्जे और अन्य अस्थायी निर्माणों को बुलडोजर की मदद से ध्वस्त कर दिया गया। नगर निगम की कार्रवाई शुरू होते ही क्षेत्र के दुकानदारों में हड़कंप मच गया। कई व्यापारियों ने कार्रवाई का विरोध भी किया, लेकिन नगर निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक मार्ग और फुटपाथों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विरोध के दौरान एक युवक बुलडोजर पर चढ़कर उससे लटक गया और कार्रवाई रुकवाने का प्रयास किया।

हालांकि मौके पर मौजूद टास्क फोर्स और पुलिसकर्मियों ने युवक को समझाकर सुरक्षित नीचे उतारा, जिसके बाद अभियान पुनः शुरू कर दिया गया।

अभियान के दौरान सड़क किनारे बने अस्थायी ढांचे, टिनशेड और अतिक्रमणकारी सामग्री को हटाया गया।

नगर निगम अधिकारियों ने कहा कि अतिक्रमण के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही थी तथा राहगीरों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इसी को देखते हुए यह कार्रवाई की गई।

पैर का मांस खा गया, लेकिन हिम्मत नहीं हारी, दोस्तों ने हथौड़ा मारकर भगाया

नदी में मगरमच्छ से भिड़ा युवक

तमसा संकेत, एजेंसी

गोंडा। गोंडा में घाघरा नदी किनारे काम कर रहे एक युवक पर मगरमच्छ ने हमला कर दिया। मगरमच्छ ने युवक का पैर अपने जबड़े में पकड़ लिया। करीब एक मिनट तक उसे नदी की ओर खींचने की कोशिश करता रहा। तभी साथ काम कर रहे लोग मौके पर पहुंचे। एक साथी ने मगरमच्छ के सिर पर हथौड़े से वार किया, जिसके बाद उसने युवक को छोड़ दिया। काफी प्रयास के बाद मगरमच्छ नदी में वापस चला गया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। हमले में युवक के पैर में गंभीर चोट आई और मांस निकल गया। साथियों ने उसे गोंडा मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना बुधवार की है, जो जिला मुख्यालय से करीब 45 किलोमीटर दूर तरबगंज थाना क्षेत्र में हुई।

मगरमच्छ के हमले में घायल भानु को इलाज के बाद देर रात गोंडा मेडिकल कॉलेज से छुट्टी दे दी गई। भानु ने बताया कि वह पहले भी घाघरा नदी के किनारे काम और अन्य कामों के लिए जाता रहा है। बुधवार को तटबंध के नीचे बोल्डर और पर्क्यूपाइन लगाने का काम चल रहा था। इसी दौरान काम करते-करते वह नदी के पास पहुंच गया और अचानक मगरमच्छ ने उस पर हमला कर दिया।

इलाज के बाद घायल मजदूर को मेडिकल कॉलेज से छुट्टी दे दी गई।

सोनौली मोहम्मदपुर गांव के पास भिखारीपुर-सकरौर तटबंध पर बोल्डर लगाने का काम चल रहा था। बुधवार देर शाम करीब 50 मजदूर नदी किनारे अपने काम में जुटे हुए थे। इसी दौरान अचानक नदी से एक मगरमच्छ बाहर आया।

पैर पकड़कर नदी में खींचने लगा

करीब एक मिनट तक मजदूर मगरमच्छ से जूझते रहे। इसी बीच एक मजदूर ने हिम्मत दिखाई। उसने हाथ में हथौड़ा लेकर मगरमच्छ के सिर पर वार करना शुरू कर दिया। इससे मगरमच्छ कमजोर पड़ा और उसने भानु का पैर छोड़ दिया। इसके बाद वह वापस नदी में चला गया। मजदूरों की बहादुरी और समय पर की गई कोशिशों से भानु की जान बच गई। हालांकि मगरमच्छ के हमले में उसके पैर में गंभीर चोट आई

इलाके में पहले भी सामने आ चुके हैं मामले

घाघरा नदी किनारे मगरमच्छ के हमले की यह पहली घटना नहीं है। सोनौली मोहम्मदपुर ग्राम पंचायत के उदयभान पाही गांव के पास 20 मई को अंतिम संस्कार में शामिल होने आए दामाद दीपक वर्मा पर भी मगरमच्छ ने हमला कर दिया था, जिसमें उनकी मौत हो गई थी। इसके अलावा घटना स्थल से करीब एक किलोमीटर दूर निश्चित पुरवा के पास भी पहले एक मजदूर पर मगरमच्छ हमला कर चुका है।

हमले के बाद मजदूरों में डर का माहौल

घटना के बाद तटबंध पर काम कर रहे मजदूरों में डर का माहौल है। कई मजदूर अब नदी किनारे काम करने से घबरा रहे हैं। उनका कहना है कि अचानक हुए हमले से सभी सहम गए हैं। काम के दौरान अब मजदूर नदी की ओर जाने से बच रहे हैं और सतर्क होकर काम कर रहे हैं।

बी-टेक स्टूडेंट ने जान दी

रेलवे ट्रैक पर सिर-धड़ अलग-अलग मिला, डिप्रेशन में चल रहा था

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। झांसी में 20 साल के बीटेक छात्र का शव रेलवे ट्रैक पर क्षत-विक्षत हालत में मिला है। ट्रेन के गुजरने से उसका सिर धड़ से अलग हो गया था। परिजन के मुताबिक, छात्र डिप्रेशन से जूझ रहा था। बुधवार को परिजन उसे इलाज के लिए ग्वालियर लेकर गए थे।

डॉक्टर को दिखाने के बाद दोपहर में सभी घर लौट आए। शाम करीब 6 बजे नीरज बिना बताए घर से निकल गया। शाम करीब 7 बजे घर से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर उसका शव रेल की पटरी पर मिला।

मामला चिरगांव कस्बे का है। युवक की पहचान 20 वर्षीय नीरज राजपूत के रूप में हुई। वह इंदौर के एक कॉलेज से बीटेक सेकेंड ईयर का स्टूडेंट था। पुलिस के अनुसार, युवक ने डिप्रेशन में आकर सुसाइड कर लिया। चिरगांव के हवेलीपुरा मोहल्ला निवासी राजेंद्र राजपूत खेती-किसानी करते हैं, जबकि उनकी पत्नी सरोज गृहिणी हैं। परिवार में 22 वर्षीय बेटी अनुष्का और 20 वर्षीय बेटा नीरज था। दोनों पढ़ाई कर रहे थे। नीरज के चचेरे भाई पारस राजपूत ने बताया कि नीरज इंदौर में बीटेक सेकेंड ईयर का छात्र था। पिछले करीब एक महीने से वह डिप्रेशन में था और उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। वह रात-रात भर सो नहीं पाता था और कई बार असामान्य बातें करता था। इसी कारण करीब 20 दिन पहले उसे घर लाया गया था। यहां झाड़-फूंक कराने के साथ डॉक्टरों से भी उसका इलाज कराया जा रहा था। इलाज के बाद उसकी स्थिति में कुछ सुधार देखने को मिला था। पारस ने बताया कि बुधवार को नीरज को इलाज के लिए ग्वालियर ले जाया गया था। डॉक्टर से परामर्श के बाद दोपहर करीब 2 बजे परिवार के लोग उसे लेकर घर लौट आए। उस समय वह सामान्य नजर आ रहा था। शाम करीब 6 बजे वह अचानक घर से निकल गया। परिजनों ने आसपास और मोहल्ले में उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। इसी दौरान शाम करीब 7 बजे सूचना मिली कि रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव पड़ा है।

नीरज राजपूत, मृतक

चचेरे भाई पारस राजपूत ने बताया- नीरज पढ़ाई में अच्छा था। इसलिए परिवार वाले उसे इंदौर से बीटेक करा रहे थे।

विधायक अमिताभ बाजपेई बोले- 15 दिन में समाधान नहीं तो नगर निगम का घेराव होगा

नगर आयुक्त से मिले सपा विधायक, 21 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के आर्यनगर विधानसभा से सपा विधायक अमिताभ बाजपेई व कैंट विधायक हसन रुमी ने गुरुवार को नगर आयुक्त से मुलाकात कर जनसमस्याओं को लेकर 21 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। उन्होंने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए विकास कार्यों की धीमी गति पर नाराजगी जताई। चेतावनी दी कि यदि 15 दिनों के भीतर समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो एक माह के भीतर नगर निगम मुख्यालय पर बड़ा धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। नगर आयुक्त को सौंपे गए ज्ञापन में विधायक ने शहर की सफाई व्यवस्था, सीवर, पेयजल, मार्ग प्रकाश, आवारा कुत्तों की समस्या, जर्जर भवनों, कूड़ा निस्तारण और नगर निगम में लंबित फाइलों के निस्तारण जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि नगर निगम की कार्यप्रणाली पिछले कुछ समय से बेहद धीमी हो गई है। कई फाइलें महीनों तक एक ही टेबल पर पड़ी रहती हैं और समयबद्ध निस्तारण की कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं है। विधायक ने सीएम ग्रिड रोड परियोजना की धीमी प्रगति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि परियोजना के कार्यों की स्थिति स्पष्ट नहीं है और न ही यह बताया जा रहा है कि निर्माण कार्य कब तक पूरे होंगे।

दुकानदारों को फेरी नीति के तहत व्यवस्थित करें

ज्ञापन में जगन्नाथ यात्रा मार्ग के पैचवर्क, चुन्नीगंज कन्वेंशन सेंटर के निर्माण कार्य को शुरू कराने, डॉट नालों के सुदृढ़ीकरण, उर्सला अस्पताल के पीछे विकसित की जा रही ग्रीन बेल्ट को पार्किंग के रूप में विकसित करने तथा पार्कों में माली और चौकीदारों की नियुक्ति की मांग भी की गई। इसके साथ ही ठेला, पटरी और रेहड़ी दुकानदारों को जबरन हटाने के बजाय फेरी नीति के तहत व्यवस्थित किए जाने की बात कही गई। अमिताभ बाजपेई ने फूलबाग फल मंडी अग्निकांड से प्रभावित दुकानदारों की दुकानों के पुनर्निर्माण, घंटाघर चौराहे के सौंदर्यीकरण, नाना राव पार्क में अधूरे पड़े महापुरुषों के पेडेस्टल पर मूर्तियां स्थापित करने तथा शिलापट्टों में शासनादेश के अनुपालन की मांग भी उठाई।

विधायक ने कहा कि वह 15 दिनों तक प्रशासनिक कार्रवाई का इंतजार करेंगे। इसके बाद भी यदि समस्याओं के समाधान की दिशा में संतोषजनक प्रगति नहीं हुई तो एक माह के भीतर नगर निगम मुख्यालय का घेराव करते हुए बड़े स्तर पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनहित के मुद्दों पर किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कार्यवाई : सीलिंग तोड़ पेंट कर सबूत मिटाए, विधानसभा अध्यक्ष के भाई बोले- व्यवस्था दिखाने का मौका नहीं दिया

महाना की बिल्डिंग सील की, फिर अफसर पलटे

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के भाई की बिल्डिंग को सील करने के 24 घंटे के भीतर ही अफसरों ने यू-टर्न ले लिया। अब कानपुर विकास प्राधिकरण (KDA) के अफसरों का कहना है कि बिल्डिंग को सील नहीं किया गया है, सिर्फ नोटिस दी गई है। जबकि KDA ने बेसमेंट को सील करते हुए सीलिंग की पट्टी लगाई थी और पेंट से सीलिंग की कार्रवाई को लिखा था। लेकिन, विधानसभा अध्यक्ष के रसूख के आगे 24 घंटे के भीतर अफसर अपनी ही कार्रवाई से पीछे हट गए। सीलिंग तोड़ दी, पेंट कर कार्रवाई के सबूत मिटा दिए। इसको लेकर जिन संस्थानों पर एक्शन हुआ है, सभी में गुस्सा है। जाजमऊ में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के भाई बिट्टू महाना और मन्नू महाना की बिल्डिंग है। KDA जोन-1 के प्रवर्तन दस्ते ने बुधवार को बिल्डिंग के बेसमेंट में एक रेस्टोरेंट और ऊपर तीन कोचिंग चलती मिली। जांच में मानक के विपरीत पाई गईं तो एक्शन हुआ। इन पर नोटिस चस्पा करते हुए सील कर दिया। KDA जोन-3 प्रवर्तन विभाग के प्रभारी अभियंता ने बताया कि मुझे जानकारी नहीं है कि किसकी बिल्डिंग है।

बिट्टू महाना बोले- मेरे पहुंचने से पहले ही प्रशासन ने सील कर दिया

बिट्टू महाना ने कहा- बेसमेंट में संचालन केवल उनकी ही बिल्डिंग में नहीं हो रहा है, बल्कि पूरे कानपुर में इसी तरह कई बेसमेंट संचालित हैं। यदि प्रशासन निर्देश देगा तो एक मिनट में बेसमेंट खाली करा देंगे। प्रशासन की ओर से मुझे कोई नोटिस नहीं दिया गया। बिना पूर्व सूचना के सीधे कार्रवाई कर परिसर को सील कर दिया गया। बिट्टू महाना ने यह भी दावा किया कि परिसर में फायर सेफ्टी के सभी इंतजाम मौजूद हैं।

24 घंटे बाद ही सील तोड़ी, पेंट कर सबूत मिटाए

आपको जानकर हैरत होगी कि महाना के रसूख के चलते सीलिंग की कार्रवाई के 24 घंटे बाद ही सील की पट्टिका को हटा दिया गया। जो नोटिस चस्पा किए गए थे, उसे फाड़ दिया गया। KDA ने कार्रवाई के समय लिखा था- परिसर KDA द्वारा सील कर दिया गया है, इसे सफेद रंग से पेंट कर दिया गया, ताकि सबूत मिटाया जा सके।

महाना की बिल्डिंग पर कार्रवाई से मुकरे केडीए सचिव

KDA के सचिव अभय कुमार पांडेय ने बताया- इस संबंध में प्रवर्तन प्रभारी की टीम से जो जानकारी मिली है, उसके अनुसार बुधवार को क्षेत्र में नोटिस देने की कार्रवाई की जा रही थी। प्राधिकरण की टीम द्वारा अभी केवल नोटिस ही दे रही है। बुधवार को किसी भी बिल्डिंग को सील नहीं किया गया है। विशेष रूप से निर्देश दिए गए थे कि अभियान के नाम पर किसी भी भवन मालिक का उत्पीड़न न किया जाए। पहले नोटिस देकर कंप्लायंस (नियमों का पालन) सुनिश्चित कराएं। फिर यदि नियमों का पालन नहीं होता है।

भाजपा एमएलसी के परिवार के युवक पर चलाई गोली

इटावा। इटावा की फ्रेंड्स कॉलोनी थाना क्षेत्र में गुरुवार 2 बजे गोलीकांड हो गया। कानपुर हाईवे सर्विस रोड पर कार सवार युवकों ने एक बाइक सवार बीए छात्र को पहले टक्कर मारकर गिराया और इसके बाद गोली मारकर घायल कर दिया। घायल युवक भाजपा एमएलसी मानवेंद्र सिंह चौहान के परिवार का बताया जा रहा है। घटना के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। विक्रमपुर निवासी बीए छात्र वीर प्रताप चौहान अपने दोस्त शिवा के साथ आईटीआई चौराहे के पास फास्ट फूड खाने गया था। दोनों युवक बाइक से वापस अपने घर की ओर जा रहे थे। जैसे ही वह फ्रेंड्स कॉलोनी थाना क्षेत्र में कानपुर हाईवे के सर्विस रोड पर स्थित लीला पैलेस होटल के सामने पहुंचे, तभी पीछे से आई एक बलेनो कार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

शामली और बरेली की दो युवतियों ने की शादी

लेस्बियन कपल बोलीं- हमे लड़कों में कोई दिलचस्पी नहीं, बच्चे भी नहीं चाहिए

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली। यूपी के बरेली और शामली की दो युवतियों की शादी इन दिनों चर्चा में है। दोनों युवतियों को एक दूसरे से मोहब्बत हुई फिर दोनों ने जिंदगी साथ निभाने का वादा किया। जिसके बाद दोनों ने मुज्जफरनगर में शादी कर ली। दोनों की शादी का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दोनों युवतियां खुद को लेस्बियन कपल बताते हुए एक-दूसरे से प्रेम विवाह करने का दावा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि वे दोनों बालिग हैं और अपनी मर्जी से साथ रहना चाहती हैं। साथ ही परिवार और समाज के कुछ लोगों से जान-माल का खतरा बताते हुए पुलिस प्रशासन से सुरक्षा की मांग की है। जानकारी के मुताबिक शामली जिले के बुटराड़ा गांव की रहने वाली प्रीति और बरेली की रहने वाली पायल के बीच पिछले कुछ समय से संपर्क था। दोनों के बीच दोस्ती हुई और फिर यह रिश्ता प्रेम संबंध में बदल गया। अब दोनों ने एक वीडियो जारी कर दावा किया है कि उन्होंने अपनी मर्जी से विवाह कर लिया है और साथ रहने का फैसला किया है। दोनों युवतियां साफ तौर पर कह रही हैं कि वे बालिग हैं और किसी के दबाव में नहीं हैं। उनका कहना है कि उन्होंने अपनी इच्छा से जीवन साथ बिताने का निर्णय लिया है। दोनों ने दावा किया कि परिवार के कुछ सदस्य और समाज के लोग उनके रिश्ते का विरोध कर रहे हैं।

मेरे पास नहीं चढ़ावा चोरी के सबूत : दिनेश फलाहारी

श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर में गड़बड़ी के आरोप लगाए थे, जांच की मांग की थी

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर उठे विवाद के बाद मथुरा स्थित श्री कृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान में भी चढ़ावे की रकम में कथित गड़बड़ी के आरोप लगाने वाले दिनेश फलाहारी अब अपने ही दावों पर पीछे हटते नजर आ रहे हैं। उन्होंने पहले मुख्यमंत्री को खून से पत्र लिखकर मामले की CBI जांच की मांग की थी, लेकिन अब एक वीडियो जारी कर स्वीकार किया है कि उनके पास आरोपों के समर्थन में कोई ठोस दस्तावेज या सबूत नहीं हैं। सी सूचना के आधार पर उन्होंने जांच की मांग उठाई थी। हालांकि उन्होंने बताया कि संबंधित व्यक्ति ने दस्तावेज उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया था।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान ने दिनेश फलाहारी के नए वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मंदिर में ऐसा कोई पुजारी या कर्मचारी नहीं है जिसने उनसे इस तरह की कोई बात की हो। संस्थान का कहना है कि लगाए गए सभी आरोप तथ्यहीन, निराधार और मनगढ़ंत हैं। संस्था के अनुसार, बिना प्रमाण के लगाए गए आरोप केवल सुर्खियां बटोरने की कोशिश हैं।

वीडियो में कहा- आशंका के आधार पर उठाया था मुद्दा

संस्थान की ओर से जांच की मांग किए जाने के बाद दिनेश फलाहारी ने एक वीडियो जारी किया। वीडियो में उन्होंने कहा कि उन्हें आशंका हुई थी कि जिस तरह राम मंदिर में चढ़ावे को लेकर विवाद सामने आया, उसी तरह मथुरा में भी चढ़ावे में गड़बड़ी हो सकती है। उन्होंने स्वीकार किया कि उनके पास किसी वित्तीय अनियमितता का प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं है।

संस्थान सचिव ने जांच की मांग कर दिया जवाब

आरोपों के बाद कपिल शर्मा ने पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि संस्थान में वित्तीय पारदर्शिता का पूरा ध्यान रखा जाता है और लगाए गए आरोपों से संस्था, कर्मचारियों, पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हुई हैं। कपिल शर्मा ने यह भी कहा कि दिनेश फलाहारी ने उन पर व्यक्तिगत आरोप लगाए हैं।

- कपिल शर्मा ने कहा कि दिनेश फलाहारी ने उन पर व्यक्तिगत आरोप लगाए हैं, जिनकी सच्चाई सामने आनी चाहिए।
- दिनेश फलाहारी ने आरोप लगाया था कि श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर में पिछले कई वर्षों से चढ़ावे की राशि में अनियमितताएं हो रही हैं।
- दिनेश फलाहारी ने पहले चिट्ठी लिखकर मामले की सीबीआई जांच कराए जाने की मांग की थी।

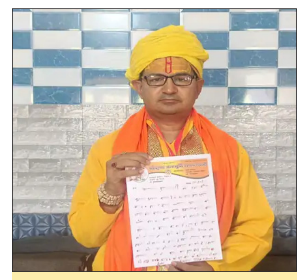

खून से पत्र लिखकर मांगी थी सीबीआई जांच

दिनेश फलाहारी ने आरोप लगाया था कि श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर में पिछले कई वर्षों से चढ़ावे की राशि में अनियमितताएं हो रही हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को खून से पत्र लिखकर मामले की CBI जांच कराने की मांग की थी। उनके आरोपों के बाद मंदिर प्रबंधन और श्रद्धालुओं के बीच भी चर्चा का माहौल बन गया था। दिनेश फलाहारी के अनुसार, एक व्यक्ति ने खुद को मंदिर का पुजारी बताते हुए उनसे कहा था कि पिछले 15 वर्षों से चढ़ावे की रकम में गड़बड़ी हो रही है और करोड़ों रुपये का गबन हुआ है।

गर्मी की छुट्टी के बाद सरकारी स्कूल खुले

अलीगढ़ में टीचर्स ने बच्चों का किया स्वागत

तमसा संकेत, एजेंसी

कोल। अलीगढ़ में भीषण गर्मी के चलते कई दिनों तक बंद रहने के बाद गुरुवार को परिषदीय विद्यालय फिर से खुल गए। स्कूलों के गेट खुलते ही बच्चों की आवाजाही शुरू हो गई और कक्षाओं में विद्यार्थियों की मौजूदगी से स्कूलों में फिर से रौनक लौट आई। गर्मी और लू को देखते हुए प्रशासन ने बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए विद्यालयों को 24 जून तक बंद रखने का फैसला किया था। छुट्टियां खत्म होने के बाद गुरुवार सुबह छात्र-छात्राएं उत्साह के साथ स्कूल पहुंचे। कई बच्चे निर्धारित समय से पहले ही विद्यालय पहुंच गए। लंबे अवकाश के बाद स्कूल पहुंचे बच्चों के चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी। छात्रों ने बताया कि छुट्टियों में आराम तो मिला, लेकिन स्कूल, पढ़ाई और

दोस्तों की कमी महसूस हो रही थी। स्कूल पहुंचकर दोस्तों और शिक्षकों से मिलने पर वे काफी उत्साहित नजर आए। छात्रों का कहना था कि घर की तुलना में स्कूल का माहौल अधिक अच्छा लगता है और अब उनका मन फिर से पढ़ाई में लगने लगा है। विद्यालय खुलने के पहले दिन शिक्षकों ने विद्यार्थियों का स्वागत किया। कई स्कूलों में बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ अनुशासन, स्वच्छता और गर्मी से बचाव के बारे में भी जानकारी दी गई।

फास्ट न्यूज

नोएडा जीआईएमएस में धरना हटाने पर सपा का हंगामा

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (GIMS) में आउटसोर्स कर्मचारियों का 10 दिनों से चल रहा धरना खत्म कराए जाने के विरोध में गुरुवार को समाजवादी पार्टी सड़क पर उतर आई। सपा कार्यकर्ताओं ने जिला कलेक्ट्रेट के बाहर सड़क जाम कर प्रदर्शन किया और भाजपा सरकार पर कर्मचारियों की आवाज दबाने का आरोप लगाया।

भाजपा प्रदेश टीम में आगरा के पुराने चेहरे रिपीट

आगरा। भाजपा की प्रदेश टीम में आगरा के पुराने चेहरे फिर से जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। भूपेंद्र सिंह चौधरी की टीम में प्रदेश महामंत्री रहे रामप्रताप सिंह चौहान और प्रदेश मंत्री विजय शिवहरे पंकज चौधरी की टीम में भी रिपीट हुए हैं। भाजपा ने एक बार फिर से आगरा से क्षत्रिय और ओबीसी को टीम में जगह दी है। हालांकि दोनों ही कद्दावर नेता हैं और दोनों की संगठन में काफी मजबूत पकड़ है। रामप्रताप सिंह चौहान आगरा 2017 में आगरा की एत्मादपुर सीट से विधायक रहे हैं। 2022 के चुनाव में उनका टिकट काटकर डा. धर्मपाल सिंह को दे दिया गया।

जौनपुर में पुलिस मुठभेड़, एक बदमाश गिरफ्तार

जौनपुर। जौनपुर में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है। गुरुवार की भोर में नेवढ़िया और जलालपुर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में अपराधी घायल हो गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के अभियान के तहत, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण और क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूं के पर्यवेक्षण में नेवढ़िया थानाध्यक्ष अपनी टीम के साथ संदिग्ध वाहनों की जांच कर रहे थे।

आगरा पुलिस ने पकड़ा सट्टे का गैंग

286 पर्चियां मिलीं, 6 सटोरिए गिरफ्तार, 9.17 लाख नकद बरामद

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में थाना रकाबगंज और थाना सदर बाजार पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में सट्टे की खाई-बाड़ी करने वाले एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया गया है। पुलिस ने मौके से छह आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से 9 लाख 17 हजार 42 रुपये नकद समेत भारी मात्रा में सट्टा सामग्री बरामद की है। डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि क्षेत्र में अवैध रूप से सट्टे का संचालन किया जा रहा है। सूचना के आधार पर थाना रकाबगंज और थाना सदर बाजार पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान छह लोगों को सट्टा संचालित करते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया। इन आरोपियों की हुई गिरफ्तारी

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान

दीपक पुत्र रमेश निवासी ईदगाह कटरा थाना रकाबगंज, योगेश पुत्र कन्हैयालाल निवासी आवास विकास कॉलोनी बोदला थाना जगदीशपुरा, दीपक पुत्र नानक चंद निवासी ईदगाह वाली गली सिरकी मंडी थाना लोहामंडी, मनीष पुत्र रवि सिंह निवासी ईदगाह कॉलोनी थाना रकाबगंज, जाकिर पुत्र हबीब निवासी राजनगर नई आबादी थाना लोहामंडी तथा वकील पुत्र बब्बू निवासी नाला मस्जिद थाना मलपुरा के रूप में हुई है।

■ **पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 9,17,042 रुपये नकद बरामद किए हैं। इसके अलावा छापेमारी के दौरान—**

286 सट्टा पर्चियां
16 नई डायरियां
1 इस्तेमाल की गई डायरी और कार्बन पेपर
4 खाली पर्ची गड्डियां
2 पेन
5 बैग
4 मोबाइल फोन
बरामद किए गए हैं।

अन्य नेटवर्क की तलाश जारी

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ में कई अहम जानकारियां मिली हैं।

गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ भी जल्द कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल सभी आरोपियों से गहन पूछताछ जारी है। अधिकारियों ने साफ किया है कि अवैध सट्टा और जुआ गतिविधियों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और ऐसे नेटवर्क को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

पुलिस जांच में सामने आया है कि यह गिरोह शहर के अलग-अलग इलाकों में लंबे समय से सट्टे का अवैध कारोबार चला रहा था। मुख्य आरोपी दीपक के खिलाफ पहले भी जुआ अधिनियम समेत कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

विधायक राजेश चौधरी बने महामंत्री, मथुरा की मांट विधानसभा सीट से हैं विधायक

भाजपा की नई टीम का ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज राय ने गुरुवार को अपनी नई टीम का ऐलान कर दिया। नई टीम में 64 पदाधिकारी बनाए गए हैं। प्रदेश भाजपा की नई टीम में मथुरा से युवा नेता राजेश चौधरी का नाम शामिल किया गया है। मांट विधानसभा सीट से विधायक राजेश चौधरी को महामंत्री बनाया गया है। राजेश चौधरी केंद्र और प्रदेश में कई बड़े भाजपा नेताओं के बेहद करीबी माने जाते हैं। मथुरा की मांट विधानसभा सीट से विधायक राजेश चौधरी का जन्म 1 जून 1973 को किसान परिवार में हुआ। वह 1987 में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़े और 1989 में संघ शिक्षा वर्ग के द्वितीय वर्ष में प्रशिक्षण लिया। इसके बाद उन्होंने राम मंदिर आंदोलन में भी अहम भूमिका निभाई। 1993 में राजेश

चौधरी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े और सह जिला प्रमुख का दायित्व संभाला। इसके बाद 1994 में वह ABVP के जिला प्रमुख बने। विद्यार्थी परिषद में अहम भूमिका निभाने के बाद 1998 में राजेश चौधरी बजरंग दल से जुड़े और जिला संयोजक का दायित्व संभाला। 2001 तक बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद में रहने के बाद वह युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष बने। इस दौरान शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में आगरा में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में 3500 कार्यकर्ताओं के साथ मथुरा जिले से भाग लिया। 2004 में युवा मोर्चा ब्रज क्षेत्र के प्रभारी बने। 2007 में युवा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री का दायित्व संभाला। 2010 में अनुराग ठाकुर की टीम में राष्ट्रीय मंत्री की जिम्मेदारी संभाली। युवा नेता के रूप में अपनी पहचान बना चुके राजेश चौधरी ने पहली बार मांट विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। मांट विधानसभा क्षेत्र से भाजपा ने कभी जीत दर्ज नहीं की थी। राजेश चौधरी ने यहां से 2022 में जीतकर इतिहास रच दिया। इससे पहले 2016 में सपा शासन में नौहझील ब्लॉक में अपनी पत्नी को ब्लॉक प्रमुख बनाया था। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में भाजपा में कई जाट नेता हैं। जिसमें भूपेंद्र चौधरी,चौधरी लक्ष्मी नारायण,संजीव बालियान जैसे प्रमुख नाम हैं। लेकिन राजेश चौधरी भी अपनी जाट समाज में अलग पहचान रखते हैं।

राममंदिर को उड़ाने की साजिश, यूपी का सुहैल हुआ गिरफ्तार

कर्नाटक में पेंटर बनकर रहता था, एटीएस का दावा- पाकिस्तानी संगठन के संपर्क में था

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। अयोध्या के राम मंदिर को बम से उड़ाने की साजिश कर रहे एक संदिग्ध आतंकी को ATS-NIA ने बुधवार शाम कर्नाटक से गिरफ्तार किया। युवक का नाम मोहम्मद सुहैल (20) है। वह यूपी के सहारनपुर के गंगोह का रहने वाला है। कर्नाटक की एक फैक्ट्री में काम कर रहा था।

एंटी टेररिस्ट स्क्वॉयड यानी ATS ने दावा किया है कि सुहैल पाकिस्तान के एक आतंकी संगठन से जुड़ा हुआ था। वह पहचान छिपाकर कर्नाटक के दावणगेरे में रह रहा था। हालांकि, उसने पहचान कैसे छिपाई थी, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। एजेंसियों को सुहैल के मोबाइल से पाकिस्तानी मोबाइल नंबर, संदिग्ध वॉट्सएप ग्रुप और हथियारों के साथ फोटो मिले हैं।

"सूत्रों के अनुसार, कुछ दिन पहले जमीर खान (22) को दावणगेरे से और अल्ला बख्श (24) को तुमकुरु से गिरफ्तार किया गया था। दोनों ने पूछताछ के दौरान सुहैल का नाम कबूला था। इसके आधार पर एटीएस ने उसे गिरफ्तार किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सुहैल सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान के आतंकियों के संपर्क में था।

■ सुहैल के फोन से पाकिस्तानी नंबर, संदिग्ध वॉट्सएप ग्रुप, हथियारों के साथ फोटो भी मिले हैं।

पूछताछ के लिए तुमकुरु ले जाया गया

कर्नाटक के दावणगेरे जिले के एसपी शेखर एचटी के मुताबिक, सुहैल के बारे में उन्हें पहले से ही इनपुट मिल रहे थे। सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी और दावणगेरे क्राइम ब्रांच की टीम के साथ उसे गिरफ्तार करने के लिए ऑपरेशन चलाया गया। उसे दावणगेरे के बन्नीकोडु गांव से गिरफ्तार किया गया है।

7 दमकल ने दो घंटे में पाया काबू, जंगला काटकर अंदर घुसे दमकल कर्मी

शू फैक्ट्री में लगी आग

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के थाना जगदीशपुरा क्षेत्र अंतर्गत ढाकरी का महल के पास एक जूते की फैक्ट्री में आग लग गई। सूचना पर फायर बिग्रेड की टीम मौके पर पहुंच गई है। आग को बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। बताया गया है कि शिव बाबाजी हाउस के नाम से बनी दो मंजिला बिल्डिंग में जूते की फैक्ट्री है। इसमें करीब दोपहर 12 बजे आग लग गई। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। सूचना पर फायर ब्रिगेड की कइ गाड़ियां पहुंच गई। फैक्ट्री से धुआं और आग की लपटें उठ रही हैं। 7 फायर ब्रिगेड की मदद से करीब 2 घंटे में आग पर काबू पाया गया। दमकल कर्मी जंगला काटकर अंदर घुसे।पुलिस ने बताया कि गढ़ी भदौरिया में सुरेश राठौर की

जूते की फैक्ट्री है। गुरुवार सुबह फैक्ट्री में तीन कर्मचारी थे। उन्होंने धुआं उठता देखा। वो बाहर निकल आए। फायर ब्रिगेड को सूचना दी। थोड़ी देर में आग की लपटें उठने लगी। फैक्ट्री में रखे जूते और केमिकल से आग ने विकराल रूप धारण कर दिया। केमिकल के ड्रम फटने से धमाके भी हुए। पहली मंजिल पर आग लगने के कारण दमकलकर्मियों को आग बुझाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। करीब दो घंटे में आग को बुझाया जा सका। चीफ फायर ऑफिसर देवेंद्र कुमार भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने बताया कि कोई भी हताहत नहीं हुआ है। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

रिहायशी इलाके में चल रही थी फैक्ट्री

जहां पर आग लगी वो रिहायशी इलाका है। आग लगने से आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। बराबर में एक और फैक्ट्री थी। लोग घरों से बाहर निकल आए। भीड़ लग गई। फैक्ट्री में आग बुझाने के इंतजाम भी नहीं थे।

पृष्ठ 01 का शेष...

राम मंदिर चढ़ावा...

दरअसल, गुरुवार सुबह से सोशल मीडिया पर चंपत राय के इस्तीफे को लेकर दावा किया जा रहा था। कई पत्रकारों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स ने इसे लेकर X पर पोस्ट किए थे। इसके बाद संवाददाता ने मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव और विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय महासचिव बजरंग लाल बागड़ा से फोन पर बात की। बजरंग लाल बागड़ा ने भी कहा- चंपत राय से इस्तीफा लेने की बात गलत है। हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनीष पांडेय ने राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टियों को पत्र भेजकर मंदिर से जुड़े कथित अनियमितताओं के मामलों की निष्पक्ष जांच की मांग की है। पत्र में वरिष्ठ अधिवक्ता के. परासरण, जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती, युगपुरुष परमानंद महाराज, पेजावर मठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी विश्वप्रसन्न तीर्थ, स्वामी गोविंद गिरी महाराज, निर्मोही अखाड़े के महंत दिनेंद्र दास, राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा और महासचिव चंपत राय को संबोधित किया। वहीं मांग की है कि ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी और ट्रस्टी नैतिक आधार पर अपने पदों से इस्तीफा दें। पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच के लिए सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की निगरानी में जांच कराने की पहल स्वयं करें। राममंदिर आंदोलन से जुड़े रहे और विश्व हिंदू परिषद के पूर्व प्रमुख प्रवीण तोगड़िया ने कहा- राममंदिर चढ़ावा चोरी मामले का केस फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाया जाए। दोषियों को फांसी की सजा दी जाए अयोध्या में आप विधायक अनिल झा ने महंत राजू दास के अरविंद केजरीवाल को 'कालनेमि' कहे जाने पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा- यह व्यवहार संतों के अनुरूप नहीं बल्कि रावणतुल्य है। अयोध्या के वास्तविक संत सनातन धर्म की परंपरा का पालन करते हुए यहां आने वाले सभी श्रद्धालुओं का स्वागत करते हैं। हनुमान-गढ़ी के संत राजूदास ने आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। उन्होंने केजरीवाल को ₹कालनेमि₹ बताते हुए कहा- कुछ लोग अयोध्या आकर राजनीति करने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि मामले की जांच अभी जारी है। राम मंदिर में चढ़ावे और कथित अनियमितताओं को लेकर एसआईटी जांच कर रही है। ऐसे समय में किसी भी व्यक्ति को बिना जांच रिपोर्ट आए, आरोप-प्रत्यारोप नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा- कुछ लोग जानबूझकर भ्रम फैलाने और राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहे हैं। जो लोग आज राम मंदिर के मुद्दे पर सवाल उठा रहे हैं, वही पहले मंदिर निर्माण का विरोध करते थे। "ये वही लोग हैं जो राम मंदिर नहीं बनने देना चाहते थे। अब जब मंदिर बन गया है तो वे अलग-अलग माध्यमों से विवाद खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं।" अयोध्या आस्था और मर्यादा की नगरी है। यहां आने वाले सभी लोगों को धार्मिक भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। राजूदास ने अपील की कि एसआईटी की जांच पूरी होने और रिपोर्ट आने तक कोई भी अनर्गल प्रलाप या राजनीतिक बयानबाजी न करे। सत्य सामने आने तक सभी को संयम और धैर्य बनाए रखना चाहिए। विश्व हिंदू सिख महासभा के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष जगद्गुरु परमहंस आचार्य ने गुरुवार को जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपकर राम मंदिर की गरिमा और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था की रक्षा की मांग की। परमहंस आचार्य ने कहा- अयोध्या सभी श्रद्धालुओं के लिए खुला है। कुछ नेता राम मंदिर में दर्शन के बहाने आएंगे और यहां आकर के गंदी राजनीति करते हैं। जिससे सनातन की आस्था प्रभावित होती है। जैसा कि अभी कुछ दिन पहले आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने बहुत अभद्र भाषा का प्रयोग किया था, चंपत राय के लिए। तो जब वहां जो भी गड़बड़ी हुई है, उसके लिए एसआईटी गठित हुई है। एसआईटी ने जांच की है। जांच रिपोर्ट शासन को सौंपी गई है। जो भी होगा दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा। लेकिन यहां आकर के जो मनगढ़ंत बातें और इस तरह से उल-जुलूल लोग बयान देते हैं, तो उस पर रोक लगना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति मंदिर और उससे जुड़े विषयों पर राजनीति करने या भ्रामक बयान देने का प्रयास करेगा, तो उसका विरोध किया जाएगा।

1 जुलाई से पासपोर्ट ...

पासपोर्ट के अलावा खोए या क्षतिग्रस्त पासपोर्ट के बदले नया पासपोर्ट, पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिकेट (PCC) और सरेंडर सर्टिफिकेट जैसी सेवाओं के शुल्क भी बढ़ाए गए हैं। अगर आपका 36 पन्नों का पासपोर्ट खो जाता है, तो नॉर्मल प्रोसेसिंग के तहत उसे दोबारा बनवाने के लिए 5,000 रुपए देने होंगे, जबकि तत्काल में यह खर्च 7,500 तक पहुंच जाएगा। इसी तरह, 60 पन्नों वाले रिप्लेसमेंट पासपोर्ट के लिए नॉर्मल कैटेगरी में 6,000 रुपए और तत्काल के लिए 8,500 रुपए की फीस तय की गई है। नाबालिग आवेदकों के मामले में भी यदि 36 पन्नों का पासपोर्ट खो जाता है या डैमेज हो जाता है, तो उसे बदलवाने के लिए नॉर्मल कैटेगरी में 4,250 रुपए खर्च करने होंगे। वहीं, अगर कोई पेरेंट्स अपने बच्चे का खोया हुआ पासपोर्ट तत्काल सर्विस के जरिए जल्द से जल्द बनवाना चाहते हैं, तो उन्हें 6,750 रुपए की फीस चुकानी होगी। फीस बढ़ाने के साथ ही सरकार ने नियमों में वैलिडिटी की स्थिति को भी स्पष्ट किया है। वयस्क आवेदकों के लिए जारी किए गए पासपोर्ट की वैधता पहले की तरह ही अधिकतम 10 साल तक रहेगी। वहीं, नाबालिगों को जारी किए जाने वाले पासपोर्ट की वैलिडिटी 5 साल या उनके 18 साल की आयु पूरी होने तक (जो भी पहले हो) मान्य रहेगी। इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है।

कोलकाता में बारिश ...

मौसम विभाग ने दिल्ली-NCR में अगले कुछ घंटों के दौरान आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। हवा की रफ्तार 70 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। इससे पेड़ गिरने और टेंट-शेड उड़ने का खतरा है। गोवा के बागा बीच पर बुधवार को एक टूरिस्ट की समुद्र में बहने से मौत हो गई। कर्नाटक के रहने वाले सहस अशपाक मसाली (33) समुद्र किनारे चट्टानों पर बैठे थे। इसी दौरान तेज लहरें उठीं और उफनते समुद्र ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। देश के 22 राज्यों में मानसून पहुंच चुका है। 24 जून को इसने मध्य प्रदेश और गुजरात में 9 दिन की देरी से एंट्री की। 5 जुलाई तक बाकी राज्यों को भी कवर कर सकता है। दिल्ली में मानसून का आना बाकी है लेकिन अगले कुछ दिनों में बारिश होने की संभावना है। उत्तर प्रदेश के पूर्वी हिस्से में अगले 4-5 दिनों तक हीटवेव चलने की आशंका है। मध्य प्रदेश और बिहार में अगले 2-3 दिनों तक हीटवेव की स्थिति बनी रह सकती है। उत्तर-पश्चिम भारत में 25 जून तक तापमान में खास बदलाव नहीं होगा। इसके बाद 26 से 28 जून के बीच अधिकतम तापमान 2-3C तक बढ़ सकता है। मध्य भारत में 28 जून तक तापमान में करीब 3C की गिरावट आने की संभावना है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, बिहार के कई शहरों में बुधवार को पारा 40C से ज्यादा रहा। देश में सबसे ज्यादा पारा उत्तर प्रदेश के बांदा में 44.2C दर्ज किया गया। वहीं, यूपी के प्रयागराज में 43.4C, राजस्थान के श्रीगंगानगर में 42.5C, एमपी के खजुराहो 41.2C और बिहार के पटना में 40.6C रहा। बिहार के मुजफ्फरपुर में गर्मी को देखते हुए 8वीं तक के स्कूलों को 27 जून तक बंद कर दिया गया है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के सदस्य डॉ. पंकज कुमार के मुताबिक, सुपर अल नीनो में प्रशांत महासागर का पानी सामान्य से काफी ज्यादा गर्म हो जाता है। इससे मानसून की गति, दिशा और निरंतरता प्रभावित हो सकती है।

नतीजा यह होता है कि बारिश का पैटर्न असंतुलित हो जाता है। यही कारण है कि इस बार मध्य प्रदेश में बारिश सामान्य के 90 से 92 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया जा रहा है। यानी प्रदेश के कुछ हिस्सों में ज्यादा बारिश हो सकती है, जबकि दूसरे क्षेत्रों में लंबे ब्रेक देखने को मिल सकते हैं।

स्कॉटलैंड को 3-0 से हराया, विनीसियस ने डबल गोल किए, नेमार भी मैदान पर उतरे

ब्राजील फुटबॉल वर्ल्ड कप के नॉकआउट में

खेल

मियामी गार्डन्स, एजेंसी

5 बार की वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील ने फुटबॉल वर्ल्ड कप के नॉकआउट राउंड में प्रवेश कर लिया है। उसने गुरुवार सुबह ग्रुप-सी के मैच में स्कॉटलैंड को 3-0 से हराया। मियामी स्टेडियम में ब्राजील की ओर से विनीसियस जूनियर ने दो गोल किए। जबकि एक गोल मैथियस कुन्हा ने दागा।

स्कॉटलैंड 1998 के बाद पहली बार वर्ल्ड कप में खेल रहा है, लेकिन टीम एक बार फिर ग्रुप चरण से आगे बढ़ने में नाकाम रही। टूर्नामेंट के इतिहास में यह नौवीं बार है, जब स्कॉटलैंड ग्रुप चरण पार नहीं कर सका। वहीं, ब्राजील दूसरी जीत के साथ 7 अंक लेकर ग्रुप-सी के टॉप पर है। विनीसियस अब टूर्नामेंट में चार गोल कर चुके हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे की बराबरी पर पहुंच गए हैं। दोनों के चार-चार गोल हैं, जबकि अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी पांच गोल के साथ टॉप पर हैं। हैती ने मैच में दो बार बढ़त की। लेकिन, उसे बनाए नहीं रख सकी। 52 साल बाद वर्ल्ड कप खेलने उतरी हैती की टीम टूर्नामेंट में अपना पहला अंक हासिल करने में भी सफल नहीं हो सकी। उसका वर्ल्ड कप अभियान ग्रुप चरण में ही समाप्त हो गया।

टीम मेट्स के साथ गोल सेलिब्रेट करते विनीसियस जूनियर।

मोरक्को भी राउंड ऑफ 32 में पहुंचा, हैती बाहर

ग्रुप-सी के आखिरी मैच में मोरक्को ने हैती को 4-2 से हराया। इस जीत से टीम राउंड ऑफ-32 में पहुंच गई। अटलांटा स्टेडियम में मोरक्को दो बार पिछड़ा, लेकिन हार नहीं मानी और वापसी करते हुए जीत हासिल की। मोरक्को के लिए सूफियान रहीमी ने 78वें मिनट में डिफ्लेक्टेड शॉट के जरिए टीम को 3-2 की बढ़त दिलाई। इसके बाद 89वें मिनट में गेसीम यासीन ने गोल कर जीत पर मुहर लगा दी।

> ब्राजील के स्टार खिलाड़ी नेमार ने 76वें मिनट में मैदान पर उतरकर चोट के बाद वापसी की। दाएं पिंडली की समस्या के कारण वह टीम के शुरुआती दो मुकाबलों में नहीं खेल पाए थे। स्टेडियम में मौजूद ब्राजीलियाई प्रशंसकों ने उनकी वापसी का जोरदार स्वागत किया।

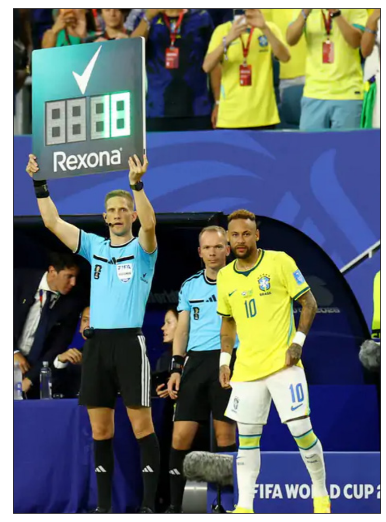

नेमार ने 76वें मिनट में मैदान पर उतरे। वे इस वर्ल्ड कप में पहला मैच खेल रहे थे।

विनीसियस ने फर्स्ट हाफ में दोनों गोल किए

विनीसियस ने मैच के 7वें मिनट में गोल कर ब्राजील को शुरुआती बढ़त दिलाई। उन्होंने हाफ टाइम से ठीक पहले दूसरा गोल भी दागा। कुन्हा ने भी हाफ टाइम से ठीक स्कोरशीट में नाम दर्ज कराया।

आईपीएल सीजन में 87% तक सैलरी घाटा सह चुके खिलाड़ी

मुंबई, एजेंसी

आईपीएल की चकाचौंध जितनी बड़ी है, उतनी ही बेरहम भी है। यहां एक ही सीजन में करोड़ों कमाने वाले खिलाड़ियों की कीमत अगले ही साल जमीन पर आ सकती है। हाल ही में लखनऊ सुपर जायंट्स छोड़कर दिल्ली कैपिटल्स से जुड़े ऋषभ पंत की सालाना सैलरी में 12 करोड़ रुपए की भारी भरकम कटौती हुई है। लीग इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी 27 करोड़ रुपए के पंत सिर्फ 15 करोड़ रुपए में दिल्ली के लिए खेलेंगे। हालांकि, पंत इकलौते ऐसे खिलाड़ी नहीं हैं, जिनकी सैलरी में इतनी बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इससे पहले भी कई खिलाड़ियों को अपनी आईपीएल सैलरी में बड़ी गिरावट झेलनी पड़ी है। साल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर को 23.75 करोड़ रुपए में खरीदा था। लेकिन एक सीजन बाद ही रिलीज कर दिया। मिनी ऑक्शन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने उन्हें मात्र 7 करोड़ रुपए में खरीदा। यानी कीमत में करीब 17 करोड़ रुपए की भारी गिरावट आई।

आईपीएल ट्रेड डीसी लौटे ऋषभ पंत की सैलरी 12 करोड़ घटी,इन 5 प्लेयर्स को भी नुकसान

साल 2021 में पंजाब किंग्स ने भरोसा जताते हुए 14 करोड़ रुपए की बड़ी रकम खर्च की। मगर चोट और लगातार अनुपलब्धता का असर उनकी कीमत पर पड़ा। 2023 के ऑक्शन में मुंबई इंडियंस ने उन्हें मात्र 1.5 करोड़ रुपए में खरीदा। बदकिस्मती से यह ऑस्ट्रेलियाई पेसर उस सीजन में भी चोट के कारण कोई मैच नहीं खेल पाया।

वैभव सूर्यवंशी को अलग चेंजिंग रूम मिलेगा

आईसीसी की चाइल्ड सेफगार्डिंग पॉलिसी के कारण फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

15 साल के क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे पर अलग चेंजिंग रूम मिलेगा। ECB के अधिकारी ने ब्रिटिश अखबार द गार्डियन को बताया कि उनकी फैमिली भी टीम होटल में उनके साथ ही रहेगी। हालांकि, वैभव मैचों के दौरान टीम के अन्य खिलाड़ियों के साथ रह सकेंगे। वे टीम मीटिंग्स में हिस्सा भी लेंगे।

यह फैसला ICC (इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल) की चाइल्ड सेफगार्डिंग पॉलिसी के कारण लिया है, जिसे ICC ने इसे 2019 में लागू किया था। भारत-आयरलैंड टी-20 सीरीज 26 जून से शुरू होगी। इसके बाद 1 जुलाई से टीम इंडिया

इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। जहां 5 टी-20 और 3 वनडे मैच होंगे। वैभव से पहले इंग्लिश क्लब आर्सेनल के फुटबॉलर मैक्स डोमैन को दिसंबर 2025 में टीम के अन्य खिलाड़ियों से अलग चेंजिंग रूम मिला था। उस वक्त उनकी उम्र 15 साल थी। अंडर-16 खिलाड़ियों के लिए सेफगार्डिंग पॉलिसी के तहत अलग नियम होते हैं। इसका उद्देश्य नाबालिग खिलाड़ियों को शारीरिक शोषण, मानसिक प्रताड़ना और किसी भी तरह के दुर्व्यवहार से सुरक्षित रखना है। इसके तहत खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित और स्वस्थ माहौल बनाया जाता है। खेलों में चाइल्ड सेफगार्डिंग नियम अचानक नहीं बने। सालों तक स्पोर्ट्स अकादमी, ड्रेसिंग रूम और ट्रेनिंग सेंटर्स में नाबालिग खिलाड़ियों के साथ यौन शोषण, मानसिक प्रताड़ना के कई मामले सामने आए। इन घटनाओं के बाद फीफा, इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी जैसी संस्थाओं को 'लॉकर रूम बैन' और 'नो 1-ऑन-1' जैसे सख्त नियम बनाने पड़े। बाद में इन नियमों को ICC ने भी स्वीकार किया।

70 टन स्टील, 18 महीने में तैयार हुआ, वर्ल्डकप में सबसे ज्यादा गोल करने वाले फुटबॉलर

मेसी के जन्मदिन पर सबसे बड़ा 85 फीट का स्टैच्यू

नई दिल्ली, एजेंसी

अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी के 39वें जन्मदिन के मौके पर उनका सबसे बड़ा स्टैच्यू बनाया गया। बुधवार 24 जून को अर्जेंटीना के पटागोनिया के कट्राल शहर में मेसी की 85 फीट ऊंची मूर्ति का उद्धघाटन किया गया। यह दुनिया में मेसी की अब तक की सबसे बड़ी प्रतिमा है। स्टैच्यू को बनाने में 70 हजार किलो (70 टन) स्टील का इस्तेमाल हुआ। इसे तैयार करने में 18 महीने लगे। यह सम्मान मेसी के वर्ल्डकप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले फुटबॉलर बनने के दो दिन बाद मिला। मेसी ने सोमवार को ऑस्ट्रिया के खिलाफ 2 गोल दागकर जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोजे

का रिकॉर्ड तोड़ा था। उनके नाम अब 18 वर्ल्डकप गोल हो चुके हैं। वर्ल्डकप के दौरान अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में मेसी के सम्मान में म्यूरल भी बनाया गया है। करीब 20 फीट चौड़ी और 18 फीट ऊंची इस कलाकृति पर 1300 प्रशंसकों ने अपने नाम लिखे हैं। कलाकार लियोनेल गार्सिया ने 18 दिनों में यह म्यूरल तैयार किया है। मेसी ने वीडियो के जरिए सभी फैंस का धन्यवाद किया और कहा, आप सभी का बहुत-बहुत शुक्रिया। जो लोग इस पहल से जुड़े और लगातार समर्थन कर रहे हैं, मैं उनका आभारी हूं।

भारत में बनी 70 फीट की प्रतिमा हटानी पड़ी थी

मेसी ने पिछले साल दिसंबर में भारत का दौरा किया था। इसी दौरान वेस्ट बंगाल में उनकी 70 फीट ऊंची प्रतिमा बनाई गई थी। 27 दिनों में तैयार हुई उस प्रतिमा को दुनिया के सबसे बड़े फुटबॉलर स्मारकों में गिना गया था, लेकिन इसी महीने स्थानीय प्रशासन ने उसे हटाने का आदेश दे दिया। अधिकारियों के मुताबिक तेज हवा में प्रतिमा हिल रही थी और सुरक्षा के लिहाज से खतरा बन सकती थी।

2022 वर्ल्डकप फाइनल का पल दिखाती है प्रतिमा

प्रतिमा में मेसी को कतर वर्ल्डकप 2022 फाइनल के बाद घुटनों पर बैठे हुए दिखाया गया है। फ्रांस के खिलाफ फाइनल में गोंजालो मोंटिएल के पेनल्टी गोल के बाद अर्जेंटीना वर्ल्ड चैंपियन बना था। मूर्ति में मेसी एक हाथ में अर्जेंटीना की जर्सी पकड़े हुए हैं, जबकि दूसरे हाथ की उंगली आसमान की ओर उठी हुई है। गोल करने के बाद मेसी अक्सर अपनी दादी को श्रद्धांजलि देने के लिए ऐसा जश्न मनाते हैं।

> 61 साल के स्थानीय मूर्तिकार एल्डो बेरोइसा ने इस प्रतिमा को तैयार किया है। इससे पहले वे डायनासोर और अर्जेंटीना के स्वतंत्रता सेनानियों की विशाल मूर्तियां बना चुके हैं। बेरोइसा ने कहा, मेसी अर्जेंटीना के राजदूत हैं। एक कलाकार और अर्जेंटीनी होने के नाते यह मेरे लिए बेहद खास परियोजना थी।

मनोरंजन

जया बच्चन ने सरेआम बहू कहा, कपूर खानदान की पहली एक्ट्रेस, हनीमून पर पति ने दोस्तों के साथ सोने को कहा

52 साल की हुई करिश्मा कपूर

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। 90 के दशक में बॉलीवुड पर राज करने वालीं करिश्मा कपूर आज 52 साल की हो चुकी हैं। 65 से ज्यादा फिल्मों और अनगिनत हिट्स के दम पर सुपरस्टार बनीं करिश्मा को कपूर खानदान की रीत बदलने का क्रेडिट भी दिया जाता है। उनसे पहले कपूर खानदान की महिलाओं पर फिल्मों से जुड़ने पर पाबंदी थी।

करिश्मा की कहानी सिर्फ स्टारडम की नहीं, बल्कि अधूरे रिश्तों और विवादों की भी है। कभी अक्षय खन्ना उनसे शादी करना चाहते थे। उनके पिता विनोद खन्ना ने रिश्ता भी भिजवाया, लेकिन करिश्मा की मां बबीता ने रिश्ता ठुकरा दिया। कहा जाता है कि यही वजह है कि अक्षय ने कभी शादी नहीं की। आगे अभिषेक से उनकी शादी तय हुई और जया बच्चन ने सार्वजनिक मंच पर उन्हें बहू कहकर मीडिया के सामने इंट्रोड्यूस किया, लेकिन ये शादी भी चर्चा में रहने के बावजूद टूट गई।

पिता चाहते थे अक्षय खन्ना से हो करिश्मा की शादी

करिश्मा कपूर करियर के पीक पर थीं, जब उनके पिता रणधीर कपूर ने दोस्त विनोद खन्ना से कहा था कि वो चाहते हैं कि करिश्मा की शादी उनके बेटे अक्षय खन्ना से हो। विनोद खन्ना भी इस पर विचार कर रहे थे कि तभी बबीता ने इससे साफ इनकार कर दिया।

अभिषेक बच्चन को जीजू कहती थीं करीना कपूर

कपूर और बच्चन परिवार हमेशा से ही करीबी रहा है। दरअसल, अमिताभ बच्चन की बेटी और अभिषेक बच्चन की बहन श्वेता की शादी, करिश्मा कपूर की बुआ ऋतु नंदा के बेटे निखिल नंदा से हुई। श्वेता-निखिल की शादी के कुछ समय बाद ही करिश्मा कपूर और अभिषेक की दोस्ती बढ़ गई और दोनों एक-दूसरे को पसंद करने लगे। तब अभिषेक फिल्मों में नहीं आए थे। दोनों परिवारों को भी इस रिश्ते से ऐतराज नहीं था।

करिश्मा ने 2003 में बचपन के दोस्त संजय कपूर से शादी की। हालांकि बाद में ये शादी विवादों में बदल गई। करिश्मा ने दावा किया कि हनीमून में पति संजय ने दोस्तों से उनकी बोली लगवाई।

> करिश्मा कपूर ने मुंबई के कैथेड्रेल एंड जॉन केनन स्कूल से पढ़ाई की। संजय कपूर ने शुरुआत में देहरादून के दून स्कूल से पढ़ाई की लेकिन कुछ सालों में ही उनका दाखिला करिश्मा के स्कूल में करवा दिया गया। दोनों की दोस्ती और बढ़ गई।स्कूलिंग के बाद संजय कपूर पढ़ाई करने विदेश चले गए और करिश्मा की रुचि फिल्मों में बढ़ने लगी और इस तरह दोनों की दोस्ती में दूरी आ गई। दोनों अपनी-अपनी दुनिया में व्यस्त होते चले गए।

फिल्मी दुनिया करिश्मा को अट्रैक्ट करती थी

फिल्मी दुनिया हमेशा से ही करिश्मा को अट्रैक्ट करती थी। बचपन से ही वो दादाजी राज कपूर और पिता रणधीर के फिल्मों के सेट पर जाया करती थीं। वो अक्सर दादाजी से कहती थीं, 'मैं भी एक दिन हीरोइन बनूंगी', इस पर राज कपूर उन्हें जवाब देते थे- 'एक्टर बनना कोई आसान काम नहीं है, अगर तुम एक्टर बनना चाहती हो, तो कांटों पर चलो और मिट्टी पर काम करो ताकि अच्छी एक्टर बन सको। एक्टर को हमेशा बेस्ट बनने का लक्ष्य रखना चाहिए।' जब एक दिन करिश्मा ने पिता रणधीर से कहा कि उन्हें हीरोइन बनना है, तो पिता ने साफ इनकार कर दिया कि कपूर खानदान की लड़कियां एक्टिंग नहीं करेंगी। लेकिन उनकी मां बबीता उनके सपोर्ट में थीं। ये वो दौर था, जब फिल्में न चलने से परेशान होकर वो काफी ज्यादा शराब पीने लगे थे। इससे उनके और बबीता के रिश्ते में भी अनबन चल रही थीं। फिर एक समय ऐसा आया, जब करिश्मा के करियर को सपोर्ट करते हुए बबीता ने 1987 में रणधीर का घर छोड़ दिया। राज कपूर की पोती होने के चलते उन्हें बिना संघर्ष फिल्मों के ऑफर मिलने लगे। 16 की उम्र में उन्होंने एक साथ कई फिल्में साइन कीं। सबसे पहले करिश्मा ने फिल्म निश्चय शूट की, जिसके लिए न उन्हें ऑडिशन देना पड़ा, न ही उनका स्क्रीन टेस्ट लिया गया। हालांकि इस फिल्म से पहले ही उनकी दूसरी फिल्म प्रेम कैदी (1991) रिलीज हो गई।

सामंथा ने कन्फर्म की प्रेग्नेंसी

मेटरनिटी ब्रेक लेंगी, बेबी बंप दिखने से हुआ था खुलासा

नई दिल्ली। साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथप्रभू ने बुधवार को एक इवेंट में प्रेग्नेंसी की खबरों पर कन्फर्मेशन दे दी है। एक इवेंट में टी-शर्ट पहनने से दिखे बेबी बंप के बाद से ही एक्ट्रेस के प्रेग्नेंट होने की खबरें थीं। एक्ट्रेस ने अब बताया है कि वो मदरहुड के लिए फिल्मों से ब्रेक भी लेने वाली हैं।

सामंथा रुथप्रभू बुधवार को हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म मां इंती बंगारम के सक्सेस मीट में पति राज निदिमोरू के साथ पहुंची थीं। इवेंट में मीडिया से बातचीत करते हुए सामंथा ने प्रेग्नेंसी कन्फर्म करते हुए कहा, 'मां इंती बंगारम के बाद मैं अपनी कंडीशन को देखते हुए एक छोटा सा ब्रेक लूंगी। मुझे मेटरनिटी लीव लेनी ही पड़ेगी। इसके बाद मैं अपने फैंस के लिए एक और फिल्म के साथ वापसी करूंगी।'सामंथा रुथप्रभू की फिल्म मां इंती बंगारम 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस फिल्म को दर्शकों की काफी सराहना मिल रही है। फिल्म की सक्सेस का जश्न मनाने के लिए हाल ही में सामंथा एक फैन मीट-अप का हिस्सा बनी थीं, जहां उन्होंने व्हाइट टी-शर्ट के साथ डेनिम पेयर किया था। इवेंट से बाहर आते हुए हर किसी की नजर उनके बेबी बंप पर थी, जो फिटेड टी-शर्ट में साफ नजर आ रहा था। सामंथा रुथप्रभू ने 1 दिसंबर 2025 में द फैमिली मैन डायरेक्टर राज निदिमोरू से शादी की है। ये एक प्राइवेट वेडिंग थी, जिसमें सामंथा-राज के करीबी रिश्तेदार और दोस्त ही शामिल हुए थे। कपल ने सदगुरु के ईशा फाउंडेशन के लिंगा भैरवी मंदिर में प्राचीन योगिक परंपरा से भूत शुद्धि विवाह किया था।

सामंथा रुथप्रभू और राज निदिमोरू ने पॉपुलर सीरीज द फैमिली के दूसरे सीजन में साथ काम किया था। जिसे राज निदिमोरू और डीके ने मिलकर बनाया था।

विपक्षी नेताओं पर भड़के रामायण के लक्ष्मण सुनील लहरी

इटली से तुलना कर बोले- प्रधानमंत्री को भला-बुरा कहते हैं, शर्म की बात, चुल्लू भर पानी में डूब मरो

नई दिल्ली। रामानंद सागर के पॉपुलर टीवी शो रामायण में लक्ष्मण का किरदार निभाने वाले सुनील लहरी भारत की राजनीति और विपक्षी नेताओं पर भड़क गए हैं। उनका कहना है कि भारत के विपक्षी नेता ही बाहर के लोगों के साथ मिलकर देश की गरिमा से खिलवाड़ करते हैं। उन्होंने भारत को इटली की राजनीति से सीख लेने की सलाह दी है। सुनील लहरी ने आधिकारिक एक्स अकाउंट से एक वीडियो पोस्ट की है, जिसके साथ उन्होंने लिखा है, 'अगर देश को नंबर 1और मजबूत बनाना है तो विपक्ष को आपसी मतभेद भुलकर सत्ताधारी पार्टी का बाहर वाली नकारात्मक शक्तियों से देश की गरिमा और लड़ाई में साथ देना चाहिए ना कि उन बाहर वाली शक्तियों की हां में हां मिलानी चाहिए।'

शेयर किए गए वीडियो में सुनील ने कहा है, 'दोस्तों ये जानकर बहुत खुशी होती है कि आज भी दुनिया में कई देश ऐसे हैं, जो अपने देश, प्रधानमंत्री और सरकार की गरिमा के लिए आपसी मतभेद भूलकर साथ खड़े हैं।

हर तरफ मिसाइलें चल रही थीं, जिम्मेदार का पता लगाना मुश्किल, 175 जानें गई थीं

ईरानी स्कूल पर अमेरिकी मिसाइल गिरने के सबूत नहीं : डोनाल्ड ट्रम्प

इनकार

तेल अवीव, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के मिनाब गर्ल्स स्कूल पर हुए हमले में अमेरिकी मिसाइल के इस्तेमाल से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि उस वक्त हर तरफ मिसाइलें दागी जा रही थीं, इसलिए शायद कभी यह पता नहीं चल पाएगा कि हमले के लिए जिम्मेदार कौन था।

ट्रम्प ने कहा, "किसी ने कहा कि यह हमारी मिसाइल थी, लेकिन हो सकता है कि वह हमारी मिसाइल न हो। मैंने ऐसा कोई सबूत नहीं देखा, जिससे लगे कि यह हमला हमने किया था।"हालांकि 10 दिन पहले ही ट्रम्प ने इस घटना को गलती बताया था और कहा था कि स्कूल को जानबूझ-कर निशाना नहीं बनाया गया। मार्च में आई रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि सेना की शुरुआती जांच में हमले के पीछे अमेरिकी फोर्सेस का रोल होने की आशंका जताई गई थी। हालांकि पेंटागन ने अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और जांच जारी है।

अमेरिकी कच्चे तेल (WTI) की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई। ब्रेंट क्रूड भी गिरकर 73.50 डॉलर पर पहुंच गया, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार को राहत मिली है। ट्रम्प ने अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट को तेल कंपनियों की जांच के निर्देश दिए। उनका आरोप है कि कच्चे तेल के दाम घटने के बावजूद कंपनियां ग्राहकों को राहत नहीं दे रहीं। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अयातुल्ला अली खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने का निमंत्रण भेजा है। ट्रम्प ने अमेरिकी न्याय विभाग को तेल कंपनियों की जांच के निर्देश दिए।

■ दक्षिणी ईरान में मिनाब स्कूल पर हमले के बाद का फुटेज। इस हमले में 175 छात्र और शिक्षका मार गए थे।

ईरान के मुताबिक, 28 फरवरी को मिनाब के गर्ल्स स्कूल पर हुए हमले में 175 से ज्यादा बच्चों और शिक्षकों की मौत हुई थी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने इस हमले को भयावह बताया था।

इजराइल ने लेबनान से सेना हटाने की खबरों को खारिज किया

इजराइली सैन्य अधिकारियों ने रॉयटर्स की उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया है, जिसमें दावा किया गया था कि इजराइली सेना (IDF) लेबनान के कुछ इलाकों से पीछे हट गई है। अधिकारियों के मुताबिक, इजराइल सरकार ने अभी सेना को पीछे हटने का कोई आदेश नहीं दिया है।

हालांकि, दक्षिणी लेबनान से इजराइली सेना की संभावित वापसी को लेकर इजराइल और लेबनान के बीच सीधी बातचीत हुई है, लेकिन अभी तक इस पर कोई समझौता नहीं हुआ है।

इजराइल ने लेबनान से सेना हटाने की खबरों को खारिज किया

इजराइली सैन्य अधिकारियों ने रॉयटर्स की उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया है, जिसमें दावा किया गया था कि इजराइली सेना (IDF) लेबनान के कुछ इलाकों से पीछे हट गई है। अधिकारियों के मुताबिक, इजराइल सरकार ने अभी सेना को पीछे हटने का कोई आदेश नहीं दिया है। हालांकि, दक्षिणी लेबनान से इजराइली सेना की संभावित वापसी को लेकर इजराइल और लेबनान के बीच सीधी बातचीत हुई है, लेकिन अभी तक इस पर कोई समझौता नहीं हुआ है।

यूजर्स का डेटा भारत से बाहर भेजने पर रोक

टेलीकॉम सेक्टर में लाइसेंस राज खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी

अब आपकी प्राइवेसी और पर्सनल डेटा पूरी तरह से सुरक्षित रहेगा, क्योंकि अब टेलीकॉम कंपनियों को आपके फोन, इंटरनेट इस्तेमाल और कॉलिंग से जुड़ा सभी तरह का डेटा और लॉग्स अब भारत में ही स्टोर करना होगा।

कोई भी कंपनी आपका पर्सनल डेटा देश के बाहर नहीं भेज पाएगी और न ही किसी विदेशी संस्था के साथ शेयर कर सकेगी। दरअसल, दूरसंचार विभाग (DoT) ने बुधवार को टेलीकॉम कंपनियों के लिए नए नियम जारी किए हैं। DoT ने कंपनियों के लिए टेलीकॉम सेक्टर में दशकों पुराना लाइसेंस राज खत्म कर एक नया और आसान मंजूरी सिस्टम शुरू किया है। इसके साथ ही सरकार ने 'टेलीकॉम ई-सर्विसेज पोर्टल' नाम की एक वेबसाइट भी बनाई है, ताकि सारा काम डिजिटल हो सके। अब तक कंपनियों को मोबाइल या इंटरनेट सेवाएं शुरू करने के लिए सरकार से जटिल और लंबी 'लाइसेंस' प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था, जिसमें महीनों लग जाते थे। फायदाः अब नए 'ऑथराइजे-शन' सिस्टम से कंपनियां बहुत आसानी और तेजी से अपना काम शुरू कर पाएंगी। जब कंपनियों के लिए काम करना आसान होगा, तो आम जनता तक नई तकनीक (जैसे बेहतर 5G या ब्रॉडबैंड) बहुत जल्दी पहुंचेगी। साथ ही इससे पारदर्शिता भी बढ़ेगी।

जो टेलीकॉम कंपनियां पहले से काम कर रही हैं ।

फास्ट न्यूज

नोएल टाटा ट्रेंट के चेयरमैन का पद छोड़ेंगे

मुंबई । नोएल टाटा ने मंगलवार यानी 23 जून को कंपनी की 74वीं सालाना आम बैठक (AGM) में शेयरहोल्डर्स को संबोधित करते हुए कहा, जैसा कि आप जानते होंगे, चेयरमैन के रूप में यह मेरी आखिरी वार्षिक आम बैठक होगी। वेस्टसाइड और जूडियो जैसे बड़े फैशन ब्रांड्स को ऑपरेट करने वाली टाटा समूह की कंपनी 'ट्रेंट' के चेयरमैन पद से नोएल टाटा का हटना एक बड़ा फैसना है।

हवाई सफर 25% तक महंगा हो सकता है

नई दिल्ली। आने वाले दिनों में हवाई सफर 25% तक महंगा हो सकता है। यह दावा ग्लोबल कंसल्टिंग फर्म मैकिंजी ने अपनी रिपोर्ट में किया है। रिपोर्ट में बताया गया कि, दुनियाभर में चल रहे जियो पॉलिटिकल तनाव और रिफाइनरी प्रोडक्शन में कमी के चलते जेट फ्यूल की सप्लाई प्रभावित हुई है, जिससे एयरलाइंस कंपनियों की लागत बढ़ गई है।

कंपनियों पर बढ़े इसी आर्थिक बोझ का सीधा असर अब आम यात्रियों की जेब पर पड़ सकता है। बता दें कि रिपोर्ट में कहा गया है कि किसी भी हवाई टिकट की कीमत का करीब 30% हिस्सा सिर्फ फ्यूल कॉस्ट की लागत का होता है।

नीरव मोदी को बैंक को 108 करोड़ चुकाने होंगे

लंदन। भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को बैंक ऑफ इंडिया (BoI) को 1.15 करोड़ डॉलर यानी करीब 108 करोड़ रुपए चुकाने होंगे। लंदन के हाई कोर्ट ने दुबई की एक कंपनी 'फायरस्टार डायमंड एफजेडई' के लिए दी गई पर्सनल लोन गारंटी और उस पर लगे ब्याज से जुड़े मामले में ये फैसला सुनाया है।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और धार्मिक स्वतंत्रता पर उठे सवाल

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और धार्मिक स्वतंत्रता के सरकारी वादे एक बार फिर गंभीर सवालों के घेरे में हैं।

गाइबांधा जिले के पलाशबाड़ी में श्री श्री राधा गोविंद और काली मंदिर परिसर में बन रही भगवान राम की 81 फीट ऊंची मूर्ति का निर्माण कार्य अचानक रोक दिया गया है।

करीब 80 फीसदी पूरा हो चुका यह प्रोजेक्ट किसी अदालती आदेश या सरकारी निर्देश के कारण नहीं, बल्कि बहुसंख्यक कट्टरपंथियों के डर और विरोध के कारण अधर में लटका है। स्थानीय हिंदू समुदाय के लिए यह रुका हुआ निर्माण केवल एक अधूरी मूर्ति नहीं, बल्कि देश में उनके वजूद और धार्मिक स्वतंत्रता की परीक्षा बन गया है। हालांकि मंदिर समिति का कहना है कि सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए काम रोका गया, लेकिन अल्पसंख्यकों को इसमें गहरा संदेह है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, स्थानीय प्रशासन ने तनाव बढ़ने का हवाला देकर समिति पर काम रोकने का परोक्ष दबाव बनाया। कोई लिखित आदेश न होने से सरकार को जिम्मेदारी से बचने का मौका मिल गया है, जबकि अगस्त 2024 में हुए तख्तापलट के बाद से देश में अल्पसंख्यकों पर सैकड़ों हमले दर्ज किए जा चुके हैं।

- गाइबांधा में राम मूर्ति निर्माण कट्टरपंथियों के डर से रुका।
- फरीदपुर में छात्र नेता की पुलिस हिरासत में मौत।
- अंतरराष्ट्रीय संगठन ने न्यायिक जांच की मांग की।

41 साल पहले आतंकी हमले में 329 लोगों की मौत हुई, ज्यादातर भारतीय मूल के थे

कनाडा ने माना एअर इंडिया फ्लाइट ब्लास्ट खालिस्तानियों ने किया

ओटावा, एजेंसी

कनाडा ने पहली बार आधिकारिक तौर पर माना है कि 1985 में एयर इंडिया की फ्लाइट 182 'कनिष्क' में हुए बम धमाके के पीछे कनाडा में मौजूद खालिस्तानी आतंकियों का हाथ था। कनाडा की खुफिया एजेंसी कनाडियन सिक्योरिटी इंटेलिजेंस सर्विस(CSIS) ने इस घटना को 'जघन्य आतंकवादी काम' बताया है।

इस हादसे में विमान में सवार सभी 329 लोगों की मौत हुई थी। इनमें 268 कनाडाई नागरिक थे, जिनमें ज्यादातर भारतीय मूल के थे। 24 लोग भारत के नागरिक थे।

कनाडाई जांच एजेंसियों ने निष्कर्ष निकाला था कि यह हमला 1984 में हुए ऑपरेशन ब्लू स्टार के जवाब में किया गया था। ऑपरेशन ब्लू स्टार के दौरान भारतीय सेना ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर परिसर में छिपे आतंकियों के खिलाफ अभियान चलाया था। जांच के मुताबिक, इसी के प्रतिशोध में सिख अलगाववादियों ने एयर इंडिया विमान को निशाना बनाया।

एयर इंडिया फ्लाइट 182 पर हुआ हमला आज भी किसी यात्री विमान पर हुआ दुनिया का सबसे घातक बम धमाका माना जाता है। हालांकि 2001 के 9/11 हमलों के बाद यह घटना वैश्विक स्तर पर कुछ हद तक चर्चा से बाहर हो गई, लेकिन कनाडा, भारत और आयरलैंड में इसे आज भी नहीं भुलाया गया है।

23 जून को इस घटना के 41 साल पूरे होने पर सीएसआईएस ने सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान एजेंसी ने लिखा, आतंकवाद के पीड़ितों की राष्ट्रीय स्मृति दिवस पर हम एयर इंडिया फ्लाइट 182 के उन 329 लोगों को याद करते हैं, जिन्होंने एक जघन्य आतंकी हमले में अपनी जान गंवाई।

प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने भी दी श्रद्धांजलि

23 जून 1985 को एयर इंडिया की फ्लाइट 182 'कनिष्क' मॉन्ट्रियल से लंदन होते हुए नई दिल्ली आ रही थी। लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट पहुंचने से करीब 45 मिनट पहले आयरलैंड के तट के पास अटलांटिक महासागर के ऊपर विमान में जोरदार विस्फोट हुआ और विमान हवा में ही टूटकर समुद्र में गिर गया। इसमें सवार सभी लोगों की मौत हो गई। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने भी इस घटना को देश के इतिहास का सबसे घातक आतंकी हमला बताया है। उन्होंने कहा, 41 साल पहले एयर इंडिया फ्लाइट 182 बम धमाके में 329 निर्दोष लोगों की जान गई थी, जिनमें 268 कनाडाई नागरिक थे। यह आज भी कनाडा के इतिहास का सबसे बड़ा आतंकी हमला है। कनाडा हर तरह के हिंसक आतंकवाद के खिलाफ खड़ा है। जांच में सामने आया कि विस्फोटक एक सूटकेस में छिपाकर विमान के चेक-इन बैगेज में रखा गया था। यह सूटकेस जिस यात्री के नाम से चेक-इन हुआ था, वह खुद विमान में सवार ही नहीं हुआ।

पीस डील में शामिल होने गए थे, पाक की धमकी के बाद फैसला बदलना पड़ा

दावा : स्विट्जरलैंड में पाकिस्तानी आर्मी चीफ को मारने का प्लान था

इस्लामाबाद, एजेंसी

इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद ने स्विट्जरलैंड में ईरान शांति वार्ता के दौरान पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर और उनके डेलिगेशन की हत्या की साजिश रची थी। यह दावा ब्राजील के पत्रकार पेपे एस्कोबार ने एक पॉडकास्ट में किया है।

पत्रकार के दावे के मुताबिक पाकिस्तानी अधिकारियों को जब ये बात पता चली तो उन्होंने धमकी दी जिसके बाद इजराइल को अपना प्लान बदलना पड़ा।

यह दावा उस समय से जुड़ा है जब पाकिस्तान और कतर के प्रतिनिधिमंडल स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक रिजॉर्ट में मौजूद थे। वहीं ईरान और अमेरिका के बीच पश्चिम एशिया के संघर्ष को खत्म करने के लिए बातचीत का पहला दौर पूरा हुआ था। इजराइल और पाकिस्तान लंबे समय से एक-दूसरे को विरोधी मानते रहे हैं। दोनों देशों के बीच कोई रणनीतिक साझेदारी नहीं है। पाकिस्तान आज भी इजराइल को एक देश के रूप में मान्यता नहीं देता। इससे पहले पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने क्षेत्रीय युद्धविराम प्रयासों पर चर्चा के दौरान इजराइल की तीखी आलोचना की थी। उन्होंने इजराइल को बुराई और मानवता के लिए अभिशाप बताया था।

पाकिस्तानी अधिकारियों ने साजिश से इनकार किया

एआरवाई न्यूज के चेयरमैन कमरान खान ने एक वरिष्ठ पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारी के हवाले से कहा कि यह आरोप पूरी तरह बकवास और निरर्थक है। अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल असिम मुनीर का पूरा स्विट्जरलैंड दौरा तय कार्यक्रम के अनुसार और बिना किसी परेशानी के पूरा हुआ। अधिकारी के मुताबिक दौरे के दौरान किसी भी समय कोई सुरक्षा अलर्ट जारी नहीं किया गया था।

दावा- पाकिस्तान ने इजराइल को धमकी भरा मैसेज भेजा

पॉडकास्ट के दौरान पॉलिटिकल कमेंटेटर मारियो नॉफल के पॉडकास्ट में एस्कोबार ने कहा कि पाकिस्तानी सेना को बेहद विश्वसनीय जानकारी मिली थी कि इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के आदेश पर मोसाद हमला करने की तैयारी कर रहा है। एस्कोबार ने दावा किया कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में इजराइल को जगह नहीं मिली, इसलिए वह इस प्रक्रिया से खुश नहीं था। उनका यह भी कहना है कि लेबनान में इजराइल के सैन्य अभियान ने शांति समझौते की राह और मुश्किल बना दी। एस्कोबार ने आगे कहा इस साजिश की जानकारी मिलने के बाद पाकिस्तान ने इजराइल को चेतावनी भी भेजी थी। उनके मुताबिक यह मैसेज शायद ओमान के जरिए पहुंचाया गया था। इसमें पाकिस्तान की ओर से कहा गया कि अगर पाकिस्तानी डेलिगेशन को कुछ हुआ तो इजराइल को नक्शे से मिटा दिया जाएगा।

आईएईए प्रमुख के बयान पर ईरान का जवाब

अंतिम समझौते के बाद परमाणु स्थलों का निरीक्षण संभव

- ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने एक्स पर यह बात कही। उन्होंने जापान में आइएईए के प्रमुख राफेल मारियानो ग्रासी की टिप्पणी की प्रतिक्रिया में यह जवाब दिया।

तेहरान, एजेंसी

ईरान के एक राजनयिक ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आइएईए) के प्रमुख के उस बयान को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने ईरान के परमाणु स्थलों के निरीक्षण की बात कही थी। ईरानी राजनयिक ने यह साफ कहा कि इस तरह के निरीक्षण केवल अमेरिका और ईरान के बीच अंतिम समझौते के बाद ही संभव हो सकेंगे। गरीबाबादी ने पोस्ट में लिखा, ₹स्विट्जरलैंड में ग्रासी के अनुरोध के बावजूद उनके साथ कोई बैठक नहीं हुई और न ही उन स्थलों या परमाणु सामग्री तक पहुंच की कोई योजना है, जिन पर हमला किया गया था। उन्होंने कहा, ₹इन मुद्दों के बारे में केवल अंतिम समझौते के तहत और दूसरे पक्ष की तरफ से सभी प्रतिबंधों और अन्य उपायों को समाप्त करने के लिए व्यावहारिक कदम उठाए जाने के परिणामस्वरूप समीक्षा और निर्णय लिए जाएंगे। इससे पहले आईएईए प्रमुख ग्रासी ने संकेत दिया कि एजेंसी के निरीक्षक ईरान के परमाणु संवर्धन स्थलों का दौरा करेंगे, जो युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच हुए अंतरिम समझौते का एक मुख्य हिस्सा है। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था आईएईए के प्रमुख ने टोक्यो में पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की।

उद्देश्य : यूएई की यात्रा पर बोले मार्को रूबियो, ट्रंप ने होर्मुज स्ट्रेट टोल पर ईरान को चेतावनी दी

'खाड़ी देशों की सुरक्षा को खतरे में नहीं डालेगा'

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका-ईरान के बीच स्थायी शांति समझौते पर वार्ता शुरू होने के बाद अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो समझौते पर फारस की खाड़ी के सहयोगी देशों को भरोसा देने और उनकी शंका को दूर करने में जुट गए हैं। इस कवायद में पश्चिम एशिया के दौरे पर निकले रूबियो बुधवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पहुंचे। उन्होंने कहा कि अमेरिका, खाड़ी देशों की सुरक्षा को खतरे में नहीं डालेगा।

रूबियो कुवैत और बहरीन भी जाएंगे। इस बीच, राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ईरान ने अमेरिका से कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट में कोई टोल वसूला नहीं जा रहा है। उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि अगर यह सूचना गलत निकली तो वार्ता तत्काल बंद कर दी जाएगी। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, अमेरिकी विदेश मंत्री रूबियो ने बुधवार को यूएई के नेता शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की। वह इन मुलाकातों के जरिये ईरान के साथ अमेरिका के उस अंतरिम समझौते के बारे में सहयोगी देशों को भरोसा दिलाना चाहते हैं कि इससे स्थायी शांति की राह खुल सकती है। रूबियो तीन दिवसीय दौरे पर मंगलवार रात यूएई की राजधानी अबू धाबी पहुंचे। रूबियो ने अमीरात की सुरक्षा को लेकर अमेरिका की प्रतिबद्धता को भी दोहराया है। यह दौरा स्विट्जरलैंड में अमेरिका और ईरान के वार्ताकारों के बीच सोमवार को हुई पहले दौर की वार्ता के बाद हो रहा है।

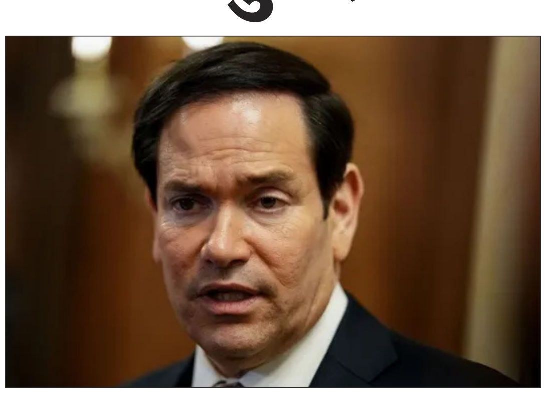

> अमेरिका ने कुवैत में अपना दूतावास फिर से खोल दिया है। गत मार्च में ईरान के हमले के बाद इसका संचालन निलंबित कर दिया गया था।
> अमेरिकी विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दूतावास ने अपने नागरिकों के लिए आपात सेवाएं बहाल कर दी हैं, जबकि अन्य सेवाएं भी धीरे-धीरे शुरू कर दी जाएंगी।

होर्मुज स्ट्रेट से निकलने लगे जहाज

रायटर के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की शिपिंग एजेंसी की एक नई योजना के तहत जहाजों का होर्मुज से गुजरना शुरू हो गया है। यह योजना युद्ध के चलते होर्मुज में फंसे जहाजों को निकालने के लिए बनाई गई है। बुधवार को तीन जहाज निकले, जबकि 35 और निकलने की तैयारी में हैं। होर्मुज स्ट्रेट से और तेल टैंकरों के निकलने के संकेत का कच्चे तेल की कीमतों पर सकारात्मक असर पड़ा है।

बुधवार को कच्चा तेल की कीमत में प्रति बैरल तीन डालर से ज्यादा की कमी के साथ इसका दाम घटकर 73.76 हो गया है।

डे हाई से 703 अंक टूटकर बंद हुआ सेंसेक्स

निफ्टी 24,050 के करीब बंद

- आईटी और मेटल शेयरों में बिकवाली
- अद्वित जूल्स का आईपीओ आज बंद होगा

मुंबई, एजेंसी

आज यानी गुरुवार 25 जून को सेंसेक्स अपने डे हाई से 703 अंक टूट गया, वहीं निफ्टी भी 24,100 के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे फिसल गया। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 109 अंक (0.14%) की बढ़त के साथ 77,100 पर और निफ्टी 34 अंक (0.14%) बढ़कर 24,056 पर बंद हुआ।

आज के कारोबार में ऑटो और FMCG शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी रही। वहीं आईटी और मेटल शेयरों में बिकवाली। निफ्टी के 50 शेयरों में से 25 में तेजी और 25 में गिरावट रही। वहीं सेंसेक्स के 30 में से 19 शेयरों में गिरावट और 11 शेयरों में तेजी रही। इंडिगो सेंसेक्स का टॉप गेनर रहा। अद्वित जूल्स लिमिटेड का IPO आज यानी 25 जून को बंद होगा। आखिरी दिन सुबह 10:30 बजे तक ये आईपीओ 63.29 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। यह आईपीओ पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए 23 जून को खुला था और आज शाम करीब 5:00 बजे बंद हो जाएगा। इसकी लिस्टिंग 1 जुलाई 2026 को होगी।

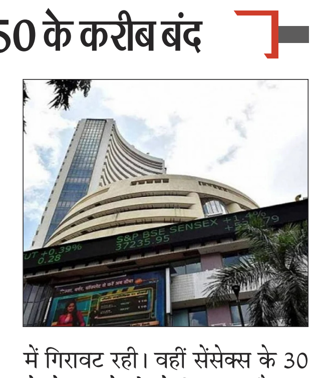

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676